

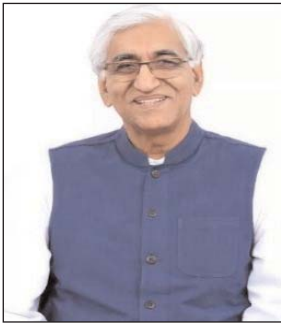
प्रदेश अध्यक्ष की रेस में टीएस सिंहदेव आगे, दिल्ली दौरे से बड़ी हलचल

छत्तीसगढ़ कांग्रेस में बड़े बदलाव के संकेत

छ.ग.फ्रंटलाइन रायपुर। कांग्रेस ने पंजाब और उत्तर प्रदेश में प्रदेश अध्यक्ष बदलने के बाद अब छत्तीसगढ़ में भी संगठन में बड़े बदलाव के संकेत दे दिए हैं। इसी बीच पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस

सिंहदेव के दिल्ली रवाना होने से प्रदेश की सियासत गरमा गई है। हालांकि उनका दौरा पारिवारिक बताया जा रहा है, लेकिन इसे कांग्रेस संगठन में होने वाले फेरबदल से जोड़कर देखा जा रहा है।

दिल्ली दौरे से बड़ी हलचल सूत्रों के अनुसार टीएस सिंहदेव दिल्ली होते हुए प्रयागराज जाएंगे। दौरा निजी होने के बावजूद इसका टाइमिंग काफी अहम माना जा रहा है। क्योंकि हाल ही में दो



बड़े राज्यों में कांग्रेस ने अपने प्रदेश अध्यक्ष बदले हैं। ऐसे में छत्तीसगढ़ में भी बदलाव की संभावना से इनकार नहीं किया जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि सिंहदेव लगातार दिल्ली में आलाकमान से मिलकर प्रदेश के राजनीतिक घटनाक्रम को जानकारी दे रहे हैं।

दीपक बैज का कार्यकाल पूरा-वर्तमान में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज हैं और उनका कार्यकाल पूरा हो चुका है। आगामी नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव तथा 2028 विधानसभा चुनाव को देखते हुए कांग्रेस संगठन को नए सिरे से मजबूत करने की कवायद में है। यही वजह है कि पिछले कुछ महीनों से कई दिग्गज नेताओं के दिल्ली दौरे बढ़े हैं।
सबसे मजबूत दावेदार हैं सिंहदेव-पार्टी के भीतर अंदरूनी चर्चा है कि साफ-सुथरी छवि और वरिष्ठता के कारण नए प्रदेश अध्यक्ष की दौड़ में टीएस सिंहदेव सबसे आगे हैं। इसके अलावा नए प्रदेश प्रभारी सुखदेव भगत ने भी कार्यभार संभालने के बाद संगठन की समीक्षा शुरू कर दी है। माना जा रहा है कि प्रभारी की रिपोर्ट के बाद ही अंतिम फैसला लिया जाएगा। फिलहाल एआईसीसी की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन प्रदेश में संगठनात्मक फेरबदल की तैयारी तेज हो गई है और सभी की निगाहें दिल्ली पर टिकी हैं। कयास लगाए जा रहे हैं कि इसी महीने नए प्रदेश अध्यक्ष के नाम का ऐलान हो सकता है।

30 साल प्रधानपाठक रहने के बाद हुए सेवानिवृत्त, अब कर रहे मजदूरी

पुरानी पेंशन का लाभ मिलता तो नहीं बनते ऐसे हालात

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। हाथ में कुदाल, चेहरे पर थकान और आंखों में 30 साल की सेवा का दर्द... यह तस्वीर किसी आम मजदूर की नहीं, बल्कि एक पूर्व प्रधानपाठक की है, जिन्होंने अपना पूरा जीवन बच्चों को शिक्षा देने में लगा दिया। इस तस्वीर ने पूरे शिक्षक समाज को झकझोर कर रख दिया है। इस तस्वीर को हमारे साथ साझा किया है, प्रदेश शिक्षक कल्याण संघ महिला प्रकोष्ठ की कार्यकारी प्रांताध्यक्ष गौरी शर्मा ने, और टिप्पणी की है कि, हमारे पूर्व प्रधानपाठक आज मजदूर बनने विवश हैं। जानकारी के मुताबिक, सन् 1995-96 में अविभाजित मध्यप्रदेश सरकार ने पंचायत विभाग के माध्यम से सहायक शिक्षक, शिक्षक और व्याख्याता



के रिक्त पदों पर शिक्षाकर्मियों की भर्ती की थी। 1998 में इन्हें पुनर्नियुक्त किया गया। तीन साल की परीक्षा के बाद नवगठित छत्तीसगढ़ शासन तंत्र ने उन्हें नियमित किया। इनकी नियुक्ति शिक्षा विभाग के अलावा शिक्षा मिशन और आजाक के स्कूलों

सरकार की 6 पंचवर्षीय योजनाओं में भागीदार बने बता दें कि वर्ष 1995-96 से 2025 तक यानी 30 साल सेवा देने वाले प्रधानपाठक सरकार की छह पंचवर्षीय योजनाओं में भागीदार बने, चुनाव ड्यूटी से लेकर ग्रामीण अंचल के हर कार्य में सहभागी बने। राष्ट्र निर्माता शिक्षक आज 62 वर्ष के बाद भी मजदूरी करने के लिए विवश हैं। एक ओर हर विभाग के कर्मचारियों को पेंशन मिल रही है, वहीं 1998 से 2004 के पूर्व के शिक्षक मजदूरी करने के लिए मजबूर हैं। यह स्थिति आने वाले समय में अन्य हजारों शिक्षकों की होने वाली है। अगर पुरानी पेंशन लागू नहीं हुई तो 80-90 हजार सैलरी लेने के बाद रिटायरमेंट पर शून्य या 2-3 हजार की सीमित पेंशन ही मिलेगी, जबकि ये शिक्षक 2004 के पूर्व के हैं, जब पुरानी पेंशन लागू थी। 2004 के बाद एनपीएस लागू किया गया।
धरना देकर कहा-जागो साथियों, अभी समय है गौरी शर्मा ने सभी 1998-99 संवर्ग के शिक्षकों से एकजुट होने और 2004 के बाद वालों से समर्थन की अपील की है। उन्होंने कहा है कि अभी समय है, बाद में जगने से कुछ नहीं होगा, जब चिट्ठीया चुग गई खेत की कहावत चरितार्थ होगी। अन्याय के खिलाफ न्याय की लड़ाई जारी रहेगी। पुरानी पेंशन बहाली और टेस्ट परीक्षा से मुक्ति को मांग को लेकर प्रदेश शिक्षक कल्याण संघ ने 2 अक्टूबर को तृता मैदान रायपुर में धरना भी दिया, और ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर उन्होंने कहा कि, संघर्ष में सक्रिय नहीं दिखने वालों की भूमिका बड़ी है। वे बिना प्रचार के शिक्षक हितों की लड़ाई में साथ खड़े रहते हैं। प्रदेश शिक्षक कल्याण संघ की ताकत ऐसे ही सच्चे साथियों से है।
इसके बाद वर्ष 2018 में शासन की मनमानी शर्तों पर संविलियन हुआ, जिसके तहत पिछली सारी सेवाएं शून्य घोषित कर दी गईं। परिणाम यह हुआ कि 30 साल की सेवा के बाद भी पेंशन, पेन्शुटी नहीं मिलने से इनका भविष्य अंधकारमय हो गया है।

टीएसआर की जानकारी देने से रेलवे ने किया इन्कार

कहा-ट्रेन ऑपरेशन से जुड़ी है जानकारी, इसमें कोई व्यापक जनहित निहित नहीं

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। अंबिकापुर रेल लाइन में ट्रेनों के संचालन और समयबद्धता से जुड़ी अहम जानकारी मांगने पर रेलवे ने सूचना देने से इन्कार कर दिया है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर मंडल ने प्रथम अपील में भी टीएसआर अर्थात ट्रेन सिग्नल रजिस्टर की जानकारी को आरटीआई एक्ट की धारा 8(1)(जी) के तहत देय नहीं बताया है। जानकारी के अनुसार अंबिकापुर निवासी मुकेश तिवारी ने आरटीआई के तहत टीएसआर से संबंधित जानकारी मांगी थी। टीएसआर वह रजिस्टर है जो हर रेलवे स्टेशन में रखा जाता है और जिसमें ट्रेनों के आने-जाने का वास्तविक समय, सिग्नल और संचालन से जुड़ी एंटी दर्ज की जाती है। आवेदक के मूल आवेदन दिनांक 10.08.2026 के जवाब में परिचालन विभाग द्वारा जानकारी नहीं देने के बाद आवेदक ने प्रथम अपील दिनांक 03.09.2026 दायर की थी। इस पर अपर मंडल रेल प्रबंधक एवं प्रथम अपीलीय प्राधिकारी बजरंग लाल अग्रवाल ने पत्र दिनांक 21.09.2026 को जारी आदेश में कहा है कि-आपके द्वारा मांगी गई टीएसआर की जानकारी ट्रेन ऑपरेशन से संबंधित है,



जो आरटीआई एक्ट 2005 की धारा 8(1)(जी) अंतर्गत देय नहीं है तथा इसमें कोई व्यापक जनहित निहित नहीं है। अतः जानकारी उपलब्ध नहीं कराई जा सकती है। प्राधिकारी ने असंतुष्ट होने पर 90 दिनों के भीतर केंद्रीय सूचना आयोग, नई दिल्ली में द्वितीय अपील का विकल्प भी बताया है।
इसलिए अहम है टीएसआर-टीएसआर से यह स्पष्ट होता है कि ट्रेनों स्टेशन पर कब आईं, कब गईं और लेट होने का वास्तविक कारण क्या रहा? रेल विस्तार और नई ट्रेनों की मांग के बीच इस जानकारी को छुपाया जाना सवाल खड़े करता है। अब इस मामले में द्वितीय अपील के बाद ही यह तय होगा कि ट्रेन ऑपरेशन के नाम पर जनहित की जानकारी को कब तक रोका जा सकता है।

वासु राइडर की यात्रा को मिला सम्मान, 55 प्रतिशत दिव्यांगता के बावजूद हौसला बुलंद

कलेक्टर-एसपी ने प्रशस्ति पत्र व मोमेंटो देकर बढ़ाया हौसला

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। पर्यावरण संरक्षण सामाजिक सद्भाव और मानवीय मूल्यों के प्रचार-प्रसार का संदेश लेकर आगरा निवासी वासु राइडर भारत भ्रमण पर निकले हैं। 2 जून 2025 को साइकिल यात्रा की शुरुआत करने वाले वासु राइडर अब तक करीब 16 हजार किलोमीटर की दूरी तय कर चुके हैं, वही राजस्थान, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हरियाणा, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश के 75 जिलों सहित नेपाल तक पहुंच चुके हैं। 2028 में उनकी यात्रा पूर्ण होने की संभावना है। हाथ-पैर से लगभग 55 प्रतिशत दिव्यांग होने के बावजूद उनका हौसला बुलंद है। वे साइकिल के माध्यम से देश के अलग-अलग हिस्सों में पहुंचकर बच्चों युवाओं और बुजुर्गों को पर्यावरण संरक्षण स्वस्थ जीवनशैली और सामाजिक सद्भाव के प्रति जागरूक कर रहे हैं। बलरामपुर जिला मुख्यालय पहुंचने के



दौरान वासु राइडर ने स्वामी आत्मानंद शासकीय विद्यालय में विद्यार्थियों से संवाद किया। उन्होंने बच्चों को पर्यावरण संरक्षण प्रदूषण से बचाव और प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी का संदेश देते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की। उन्होंने कहा प्रकृति का संरक्षण केवल किसी एक व्यक्ति की जिम्मेदारी नहीं बल्कि हम सभी का सामूहिक दायित्व है। लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल कर उन्हें पेड़ के रूप में विकसित करना भी उतना ही जरूरी है।

साइकिल चालन और दौड़ को जीवन का हिस्सा बनाएं वासु राइडर ने विद्यार्थियों को स्वस्थ शरीर के लिए नियमित व्यायाम दौड़ और साइकिल चलाने को जीवन का हिस्सा बनाने की सलाह दी। उन्होंने नरेश से दूर रहने तथा अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने के लिए भी बच्चों को प्रेरित किया। यातायात नियमों के प्रति जागरूक करते हुए उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि निर्धारित उम्र पूरी होने से पहले वाहन नहीं चालना चाहिए। 18 वर्ष की आयु पूरी होने तथा वैध ड्राइविंग लाइसेंस बनने के बाद ही वाहन

चलाएं। छोटी दूरी के लिए साइकिल का उपयोग करें। नियमित दौड़ व शारीरिक गतिविधियों को दिनचर्या में शामिल करें ताकि शरीर स्वस्थ, फिट रहे।
कदम का पौधा लगाया, देखभाल की सौंपी जिम्मेदारी कार्यक्रम के दौरान हाईस्कूल ग्राउंड में शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के साथ मिलकर कदम का पौधा लगाया गया। वासु राइडर ने बच्चों को पौधे की देखभाल की जिम्मेदारी सौंपते हुए कहा कि जिस तरह हम अपने घर के सदस्यों की देखभाल करते हैं, उसी तरह इस पौधे को भी अपना परिवार का सदस्य मानकर इसकी सुरक्षा और देखभाल करनी होगी। उन्होंने कहा कि यह पौधा आने वाले समय में बड़ा पेड़ बने और बच्चों को पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी का एहसास कराए, यही इस पौधरोपण का उद्देश्य है।

डिप्टी कलेक्टर ने शिक्षा के लिए किया प्रेरित कार्यक्रम में उपस्थित डिप्टी कलेक्टर डॉ. टीडी मरकाम ने भी विद्यार्थियों को शिक्षा के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को लगन और मेहनत के साथ शिक्षा को अपने जीवन में उतारना चाहिए। जीवन में चाहे कितनी भी चुनौतियां आए, हौसला कभी कम नहीं करना चाहिए और हमेशा ऊंची सोच के साथ आगे बढ़ने का प्रयास करना चाहिए।
कलेक्टर और एसपी ने किया सम्मान वासु राइडर की प्रेरणादायी साइकिल यात्रा और उनके संदेशों की सराहना करते हुए कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी एवं पुलिस अधीक्षक वैभव बैंकर ने उनका सम्मान किया। दोनों अधिकारियों ने उन्हें प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य को कामना की। इस दौरान वासु राइडर ने अपनी यात्रा के उद्देश्य और अब तक के अनुभव भी साझा किए।

स्वच्छता पर कलेक्टर सख्त, बड़े बकायादारों से एक माह में वसूली के निर्देश

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर।

कलेक्टर अजीत वसंत ने शनिवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में नगर निगम के ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एवं स्वच्छता कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन, चार श्रेणियों में कचरा पृथक्करण और यूजर चार्ज वसूली पर विशेष जोर दिया।



कलेक्टर ने संपत्ति कर, समेकित कर और यूजर चार्ज के बड़े बकायादारों तथा कम दर पर भुगतान करने वाले व्यवसायिक संस्थानों से एक माह के भीतर वसूली सुनिश्चित करने को कहा। भुगतान नहीं करने पर नल कनेक्शन बंद करने और एकमुश्त भुगतान करने वालों को सम्मान पत्र देने के निर्देश दिए। उन्होंने नागरिकों को चार श्रेणियों

में कचरा अलग कर देने के लिए स्कूल-कॉलेजों में जागरूकता और स्वच्छता वाहनों से नियमित मुनादी कराने को कहा। सफाई ठेकेदारों को पर्याप्त श्रमिक और रोज दो वाहन लगाने, SLRM सेंटर से गीले कचरे का प्रतिदिन परिवहन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सार्वजनिक शौचालयों की साफ-सफाई में

लापरवाही पर एजेंसी पर कार्रवाई, ठेकाले वालों के पास डस्टबिन और यूजर चार्ज भुगतान करने वाले व्यवसायिक संस्थानों से निर्देश, गौधाम में अतिरिक्त शेड निर्माण और रिंग रोड की नियमित सफाई के लिए कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में आयुक्त विनय कुमार अग्रवाल सहित अधिकारी और स्वच्छता दीर्घायु उपस्थित रहें।

कलेक्टर के निर्देश पर छापा, महावीर अस्पताल का लैब मशीन सील

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर।

कलेक्टर अजीत वसंत के निर्देश पर जिले के निजी अस्पतालों में संचालित लार्ज लैब की जांच के लिए चार सदस्यीय दल ने गायत्री, महावीर और लाइफ लाइन अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। जांच में महावीर अस्पताल के पास लार्ज लैब का लाइसेंस नहीं मिला, केवल स्माल लैब का लाइसेंस था। इस पर दल ने लार्ज लैब की मशीन सील कर दिया और लाइसेंस के लिए आवेदन करने के बाद ही संचालन के निर्देश दिए। गायत्री अस्पताल में दस्तावेजों की जांच की गई, जबकि लाइफ लाइन अस्पताल में लाइसेंस वैध पाया गया। दल में नोडल



अधिकारी डॉ. पी.के. सिन्हा, डॉ. दीपक गुप्ता, शिवेंद्र सिंह और संजय पांडे शामिल रहे।

प्रधानमंत्री के सार्वजनिक जीवन की अनकही कहानियों की भावपूर्ण प्रस्तुति

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर।

रोशनी, संगीत और नृत्य के समन्वय से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन की अनकही कहानियां आज शासकीय पीजी कॉलेज अंबिकापुर के ऑडिटोरियम में जीवंत हुईं। सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत आयोजित 'नमो सेवा गाथा' पर आधारित लाइट एंड साउंड कार्यक्रम में कलाकारों ने सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण से जुड़े प्रसंगों की भावपूर्ण प्रस्तुति दी। लगभग एक घंटे की इस प्रस्तुति को दर्शकों ने तमयता से देखा और प्रेरणास्पद बताते हुए सराहा। संस्कृति विभाग छत्तीसगढ़ शासन के सहयोग से गुरतुर लोक सेवा संस्थान के 35 प्रतिभागियों द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम में प्रधानमंत्री के सेवाकाल से जुड़े विभिन्न पड़ावों



को कला और नृत्य के माध्यम से मंच पर उतारा गया। गुजरात भूकंप के दौरान सहायता, कोविड काल में राहत के प्रयास, आतंकवाद के विरुद्ध कार्रवाई, नक्सल उन्मूलन, कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने और सर्जिकल स्ट्राइक जैसे प्रमुख विषयों को प्रस्तुति में शामिल किया गया। इसके साथ ही वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को भी प्रभावी ढंग से दर्शाया गया। मंच पर बदलते प्रकाश, संगीत और कलाकारों के भावपूर्ण अभिनय ने इन प्रसंगों को आकर्षक स्वरूप दिया। कार्यक्रम

में प्रधानमंत्री की प्रेरणा से छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सुशासन जनकल्याणकारी योजनाओं की झलक की भी आकर्षक प्रस्तुति दी गई। उपस्थित जनों ने कलाकारों की प्रस्तुति की सराहना करते हुए 'नमो सेवा गाथा' को प्रेरणादायी बताया। इस दौरान सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज, लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज, छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर, महापौर मंजूषा भागत, जिला पंचायत अध्यक्ष निरुपा सिंह, उपाध्यक्ष देवनारायण यादव, भारत सिंह सिसोदिया के अलावा कलेक्टर अजीत वसंत, जिला पंचायत सीईओ रोमा श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में स्थानीय प्रतिनिधि, छात्र-छात्राएं, गणमान्य नागरिक और दर्शक शामिल हुए।

(बालाजी क्लीनिक)

मद्रासी दवाखाना

Reg. No. Cg03026 ISO 9001: 2015 CERTIFIED

बादी एवं सूखी बवासीर, नासूर, भगंदर, फीसर एवं कांच (गुदा) का क्षार सूत्र से, एवं आंतों की बीमारियों जैसे पेट का भारीपन, गैस, कब्ज, पुरुष और स्त्री के गुप्त रोगों का आयुर्वेदिक उपचार किया जाता है।

समय :- सोमवार से शनिवार, सुबह 10 से 2, शाम 6 से 7:30
रविवार सुबह 10 से 2, शाम को बंद रहेगा

बिलासपुर रोड, बिलासपुर चौक, अम्बिकापुर मो. 900099-56307

डॉ. के.एम. राव

एम.एस.(आयु) शल्य

भूतपूर्व प्राध्यापक शल्य विभाग

शासकीय आयुर्वेद कॉलेज अहमदाबाद

जनप्रतिनिधि व कलेक्टर के हाथों खिलौने पाकर खिल उठे नन्हे चेहरे

★ आंगनबाड़ी केंद्र बैगापारा में गूँजी बच्चों की किलकारियाँ

★ कलेक्टर ने कराई गोदभराई, अपने हाथों खीर खिलाकर कराया अन्नप्राशन

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। सेवा सेतु शिविर के उपरान्त कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अमले के साथ आंगनबाड़ी केंद्र बैगापारा पहुँचीं, जहाँ का वातावरण स्नेह, अपनत्व और उत्साह से भर उठा। जनप्रतिनिधिगण व कलेक्टर ने बच्चों को अपने हाथों से खिलौने भेंट किए। रंग-बिरंगे खिलौने पाकर नन्हे-मुन्नों के चेहरे खुशी से खिल उठे और पूरा केंद्र उनकी किलकारियों से गूँज उठा।

बच्चों की मासूम मुस्कान देखकर उपस्थित अभिभावक भी भावविभोर नजर आए। कलेक्टर ने कहा कि खेल-खेल में सीखना बच्चों के सर्वांगीण विकास की आधारशिला है, और ये खिलौने पढ़ाई के साथ मनोरंजन के माध्यम से उनकी रचनात्मकता एवं मानसिक विकास को नई दिशा देंगे। कार्यक्रम में कलेक्टर ने गर्भवती महिलाओं और बच्चों के साथ आत्मीय संवाद करते हुए मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा पोषण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। उन्होंने केंद्र की दो गर्भवती महिलाओं की पारंपरिक रीति-रिवाज से गोदभराई कराई और उन्हें सुपोषण किट प्रदान की। छह माह की आयु पूर्ण कर चुके दो बच्चों को उन्होंने अपने हाथों से खीर खिलाकर अन्नप्राशन संस्कार संपन्न कराया।



कलेक्टर ने गर्भवती महिलाओं को नियमित स्वास्थ्य जांच कराने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि गर्भावस्था के दौरान संतुलित एवं पौष्टिक आहार के साथ समय पर जांच माँ और शिशु दोनों के स्वस्थ भविष्य के

लिए बेहद जरूरी है। उन्होंने माताओं से बच्चों के छह माह पूर्ण होने के बाद ऊपरी आहार प्रारंभ करने तथा उनके पोषण और स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने का आग्रह किया। सुपोषण चौपाल के माध्यम से

महिलाओं और अभिभावकों को मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी भी दी गई। इस दौरान कलेक्टर ने परियोजना अधिकारी, पर्यवेक्षक एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को बच्चों के साथ

विधायक उद्धेश्वरी पैकरा ने हितग्राहियों को सौंपी आवास की चाबी, 32 आवेदनों में से 30 का मौके पर निराकरण

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। सेवा सेतु अभियान 2026 के तहत विगत दिवस जनपद पंचायत कुसमी के ग्राम पंचायत करौंधा में शिविर आयोजित किया गया। सामरी विधायक श्रीमती उद्धेश्वरी पैकरा की उपस्थिति में हुए इस शिविर में क्लस्टर की 11 ग्राम पंचायतों से बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे। विभिन्न विभागों ने स्टॉल के

माध्यम से विभागीय योजनाओं और शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं की जानकारी दी। शिविर में कुल 32 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 30 का मौके पर ही निराकरण किया गया और 02 आवेदनों के समाधान के लिए समय-सीमा निर्धारित की गई।

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत विधायक श्रीमती पैकरा ने

03 हितग्राहियों को नए आवास का स्वीकृत पत्र प्रदान किया



तथा आवास निर्माण पूर्ण कर चुके 02 हितग्राहियों को गृह

प्रवेश के लिए चाबी सौंपी। अपने पक्के घर की चाबी हाथ में पाकर हितग्राहियों के चेहरे खुशी से खिल उठे। इसके साथ ही 15 हितग्राहियों को जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, राजस्व विभाग द्वारा 05 हितग्राहियों को ऋण पुस्तिका तथा स्वास्थ्य विभाग द्वारा 03 हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड प्रदान किए गए।

झाड़ू के नीचे छिपा था गांजे का बड़ा जखीरा, सिलफिली बसकांड का एक और फरार आरोपी गिरफ्तार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 पर ग्राम पंचायत सिलफिली में करीब आठ किलोमीटर गांजा बरामदगी के बहुचर्चित मामले में जयनगर पुलिस को एक और सफलता मिली है।

पुलिस ने घटना के बाद से फरार चल रहे एक आरोपी को मध्यप्रदेश के कटनी से गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान 35 वर्षीय अ. धुर्वे पवार पारधी उर्फ टर्ग पिता स्व. बाविर पवार निवासी ग्राम सिनगौड़ी फुटहा टोला खिरवा थाना विजयराघवगढ़, जिला कटनी (मध्यप्रदेश) के रूप में हुई है। जयनगर पुलिस के मुताबिक 4 जून को लंगरी बस के जरिए

बड़ी मात्रा में गांजा कटनी ले जाने की तैयारी थी। उड़ीसा से अंबिकापुर पहुंचे दर्जनों महिला-पुरुषों के समूह ने गांजे को बेहद शातिराना तरीके से झाड़ू के साथ गटरियों में छिपा रखा था। इसके बाद एक यात्री बस बुककर सभी लोग कटनी के लिए रवाना हुए थे। सिलफिली के पास कुछ युवकों को बस में सवार लोगों की गतिविधियां संदिग्ध लगीं। उन्होंने तत्काल डायल 112 को सूचना दी और बस का पीछा भी किया। सूचना मिलते ही पुलिस सक्रिय हुई और संदिग्ध बस को रुकवाकर उसकी तलाशी ली गई।

पुलिस टीम को देखकर बस में सवार कुछ लोग मौके का फायदा उठाकर फरार हो गए, जबकि तलाशी के

दौरान झाड़ू के नीचे छिपाकर रखी गई कई गटरियां बरामद हुईं। गटरियों को खोलने पर उनमें भारी मात्रा में लाखों रुपए

चुकी है। करीब एक माह पूर्व भी पुलिस ने कटनी से मामले में फरार चल रहे एक अन्य आरोपी को गिरफ्तार किया था।



का गांजा मिला था। पुलिस ने गांजा सहित बस को जब्त करते हुए चालक समेत करीब आधा दर्जन महिलाओं को मौके से गिरफ्तार किया था। घटना के बाद पुलिस ने मामले में फरार आरोपियों की तलाश तेज कर दी थी।

इसी क्रम में मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर जयनगर पुलिस टीम ने थाना प्रभारी उपनिरीक्षक अमित गुप्ता के नेतृत्व में कटनी में दबिश देकर फरार आरोपी अ. धुर्वे पवार पारधी उर्फ टर्ग को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार आरोपी घटना के बाद से लगातार फरार चल रहा था और गिरफ्तारी से बचने के लिए ठिकाने बदल रहा था। इस मामले में पुलिस अब तक कुल नौ आरोपियों को गिरफ्तार कर

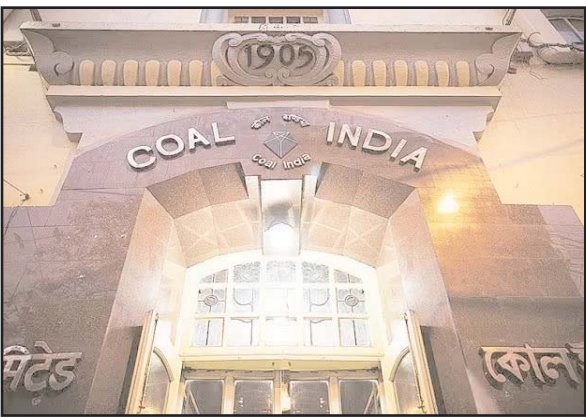
ज्ञात हो कि पिछले दिनों 4 जून को सिलफिली में हुई इस कार्रवाई ने पूरे क्षेत्र में सनसनी फैला दी थी। उड़ीसा से अंबिकापुर और फिर वहां से बस के जरिए कटनी तक गांजा पहुंचाने की तैयारी थी। तस्करों ने पुलिस की नजर से बचने के लिए गांजे को झाड़ू के नीचे गटरियों में छिपाया था, लेकिन सिलफिली के युवकों की सतर्कता के कारण पूरी खेप रास्ते में ही पकड़ ली गई। पुलिस के अनुसार मामले में अभी भी कुछ आरोपी फरार हैं। उनकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर तलाश और दबिश की कार्रवाई जारी है। पुलिस इस पूरे नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों तथा गांजा तस्करी की कड़ियों को खंगालने में भी जुटी है।

सालाना बोनस पर अंततः 110250 रुपए पर बनी सहमति

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। दुर्गा पूजा के ठीक पहले मिलने वाले सालाना बोनस यानी प्रॉफिट लिंकड रिवार्ड पीएलआर को लेकर देर रात निर्णय अनुसार 110250 रुपए सहमति बनने की बात कही जा रही है। साथ ही बोनस का भुगतान 15 अक्टूबर तक किए जाने की बात कही जा रही है। ज्ञात हो कि शनिवार को कोल इंडिया मुख्यालय में आयोजित एपेक्स जेसीसी की बैठक में बोनस की राशि को लेकर दोनों पक्षों के बीच लंबी चर्चा हुई और देर रात तक 110250 रुपए सालाना बोनस की बात कही जा रही है। जानकारी के अनुसार बैठक में यूनियन प्रतिनिधियों ने इस वर्ष कोयला कर्मचारियों के लिए 1.20 लाख रुपए पीएलआर की मांग मजबूती से रखी। इसके

जवाब में कोल इंडिया प्रबंधन की ओर से 1.08 लाख रुपए का प्रस्ताव रखे जाने की जानकारी सामने आई थी। बोनस की राशि



को लेकर दोनों पक्षों के आंकड़ों में अंतर होने के कारण बैठक में देर तक मंथन चलता रहा। वर्ष 2025 में कोयला कर्मचारियों को 1.03 लाख रुपए पीएलआर का

भुगतान किया गया था। इस बार यूनियन द्वारा रखी गई 1.20 लाख रुपए की मांग पिछले वर्ष की बोनस राशि से काफी अधिक

थी। वहीं प्रबंधन के 1.08 लाख रुपए के प्रस्ताव से भी यह स्पष्ट है कि इस वर्ष बोनस राशि पिछले साल की तुलना में बढ़ने को लेकर बातचीत चल रही थी।

सूत्रों के अनुसार बैठक में हुई चर्चा के बाद 110250 रुपए पीएलआर तय हुई है। 1 अप्रैल के आंकड़ों के अनुसार कोल इंडिया में 196753 गैर-कार्यकारी कर्मचारी कार्यरत हैं। इन्हीं कर्मचारियों के लिए वर्ष पीएलआर को लेकर शनिवार को हुई एपेक्स जेसीसी की बैठक में 110250 रुपए की राशि पर सहमति बनने की जानकारी सामने आई है। जानकारी के मुताबिक 1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 के बीच सेवानिवृत्त हुए करीब 8351 कोलकर्मियों को भी इसका लाभ मिलने की बात कही गई है। एपेक्स जेसीसी की बैठक में बीएमएस से के. लक्ष्मी रेड्डी, एचएमएस से हरभजन सिंह ठेकेदारों के देयकों का नियमानुसार भुगतान तथा एटक से लखनलाल महतो शामिल हुए थे।



प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। सेवा संकल्प अभियान एवं स्वच्छता ही सेवा के तहत शनिवार को नगर पंचायत शिवनंदनपुर में जनभागीदारी से स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने अंबेडकर चौक के समीप स्थित हनुमान मंदिर परिसर में झाड़ू लगा खरपतवार हटाकर श्रमदान किया।

उन्होंने स्वच्छता दीर्घियों, स्थानीय महिलाओं और नागरिकों के साथ सफाई में भाग लेकर सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने का संदेश दिया। गांधी जयंती के अवसर पर आयोजित अभियान में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों-कर्मचारियों और नागरिकों ने मिलकर मंदिर परिसर की साफ-सफाई की। इस दौरान लोगों को

अपने आसपास और सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने तथा स्वच्छता को दैनिक जीवन की आदत बनाने के लिए प्रेरित किया गया। मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि सेवा और स्वच्छता के कार्यों में जनभागीदारी से समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। सामूहिक प्रयासों से सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ और सुंदर बनाने के साथ उनका बेहतर उपयोग भी किया जा सकता है। उन्होंने शिवनंदनपुर के इस स्थल को पार्क के रूप में विकसित करने की मंशा जताई। इससे स्थानीय नागरिकों को हरियाली के बीच एक व्यवस्थित सार्वजनिक स्थान उपलब्ध हो सकेगा और नगर की सुंदरता भी बढ़ेगी। कार्यक्रम स्थल पर नगर पंचायत द्वारा स्थापित सेवा संकल्प अभियान के फोटो फ्रेम के साथ मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने तस्वीर

खिंचवाई। स्वच्छता और कचरा मुक्त भारत के संदेशों से सुसज्जित यह फ्रेम नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने की पहल का हिस्सा रहा। अभियान के अंत में उपस्थित लोगों ने सार्वजनिक एवं धार्मिक स्थलों को स्वच्छ रखने और नगर को स्वच्छ, सुंदर तथा पॉलिथीन मुक्त बनाने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ विजेन्द्र सिंह पाटेल, सुरजपुर जनपद अध्यक्ष श्रीमती स्वाती सिंह, शिवनंदनपुर नप अध्यक्ष रितेश जायसवाल, विश्रामपुर नप उपाध्यक्ष दीपेंद्र सिंह चौहान, पुष्पेंद्र सिंह, सितीकांत स्वाई, अशोक गुप्ता, ललित गोयल, राजेश यादव, कृष्णा गोयल, प्रदीप गर्ग, समीर सिंह, मनी बग्गा, संतोष पाठक, अनीता सिंह, नंदकुमारी राजवाड़े व अन्य स्वच्छता दीर्घियां उपस्थित रहीं।

सेवा सेतु शिविर दोहना में 51 आवेदन प्राप्त, 35 का मौके पर निराकरण, 20 वृद्धजनों का हुआ सम्मान

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन।

सेवा सेतु अभियान के अंतर्गत आज जनपद पंचायत शंकरगढ़ के क्लस्टर ग्राम दोहना में शिविर आयोजित किया गया। जनपद पंचायत शंकरगढ़ की उपाध्यक्ष श्रीमती प्रियंवदा सिंह देव और जिला पंचायत सदस्य श्रीमती गीता पैकरा के मुख्य आतिथ्य में हुए इस शिविर में क्लस्टर की 16 ग्राम पंचायतों के ग्रामीण अपनी मांगों और समस्याएं लेकर पहुंचे। शिविर में कुल 51 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 35 का मौके पर ही निराकरण कर दिया गया और शेष 16 आवेदनों के समाधान के लिए

समय-सीमा तय की गई। सर्वाधिक 39 आवेदन खाद्य विभाग से जुड़े रहे, जिनमें 25 का तत्काल निराकरण हुआ, जबकि राजस्व विभाग के सभी 7 आवेदन मौके पर ही निपटारे गए। हितग्राहियों को राजस्व विभाग ने 04 बी-1 और 02 ऋण पुस्तिकाएं प्रदान कीं। शिक्षा विभाग ने स्कूली बच्चों को 78 जाति प्रमाण पत्र तथा प्रार्थमिक शाला सरिमा की कु. असीमा दास की दिव्यांग प्रमाण पत्र एवं दिव्यांगता किट दी। वहीं जनपद पंचायत द्वारा ग्राम सरिमा श्रीमती सनिता यादव और श्रीमती

सीमा विश्वकर्मा को राशन कार्ड सौंपे गए। विभागीय अधिकारियों ने अपने-अपने विभाग की योजनाओं की जानकारी भी ग्रामीणों को दी। अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर 20 बुजुर्गों को तिलक लगाकर, मुंह मीठा करार तथा शॉल व श्रोफल भेंट कर सम्मानित किया गया। साथ ही षक पेड़ मां के नाम पर अभियान के तहत अतिथियों ने एकलव्य आवासीय विद्यालय परिसर में पौधरोपण किया। शिविर में जनपद सदस्य श्री तिलासाय एवं श्री अमीनसाय, विधायक प्रतिनिधि श्री मुकेश

कश्यप, मंडल अध्यक्ष श्री विवेक जायसवाल, मंडल महामंत्री श्री सत्यानंद पैकरा, जिला मंत्री श्री अवधेश पैकरा, पूर्व जनपद अध्यक्ष श्री शिवशंकर मराठे, श्री निमेश यादव, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत श्री वेदप्रकाश पाण्डेय, तहसीलदार श्री दानिश परवेज, विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्री इस्माईल खान, वन परिक्षेत्राधिकारी श्री महेन्द्र यादव, नायब तहसीलदार श्री गजराज सिंह सहित विकासखंड स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी, सरपंच-सचिव एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

पेयजल आपूर्ति संबंधी शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करें : कलेक्टर

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी की अध्यक्षता में जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक गुरुवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित हुई। बैठक में जल जीवन मिशन के क्रियान्वयन, योजनाओं की अद्यतन प्रगति तथा पूर्ण कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अभियंताओं एवं अधिकारियों को लंबित कार्य शीघ्र पूर्ण करने और पेयजल आपूर्ति से जुड़ी शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में एंजेंडा के अनुसार बिंदुवार चर्चा की गई। विभिन्न निविदाओं की दर स्वीकृति, अनुबंधों के अंतर्गत समयबद्ध तथा निरस्त अनुबंधों जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर महत्वपूर्ण चर्चा करते हुए विचार-विमर्श किया गया। अक्टूबर 2026 तक पूर्ण की जाने वाली 772 योजनाओं की अद्यतन प्रगति की समीक्षा के साथ डीएमएफ मद से बोर खनन, सेवा संकल्प



रहे जल परीक्षण की प्रगति की समीक्षा हुई, वहीं क्रेडा विभाग द्वारा सोलार पंप स्थापना में आ रही समस्याओं पर भी चर्चा कर समाधान के उपायों पर विचार किया गया। कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने सीआईआरपी के अनुसार निर्धारित समय-सीमा में सभी कार्य पूर्ण करने के निर्देश देते हुए कहा कि अपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर

गति दी जाए। उन्होंने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता मानकों का विशेष ध्यान रखने तथा नियमित निगरानी पर जोर दिया, ताकि जिले के प्रत्येक ग्रामीण परिवार तक शुद्ध पेयजल पहुंच सके। कलेक्टर ने अधिकारियों को कार्यों की सतत मॉनिटरिंग करने, निर्माण में तेजी लाने और लक्ष्यों के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने लंबित कार्यों की नियमित समीक्षा कर आवश्यक कार्यवाही करने तथा किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब न होने देने के निर्देश दिए। बैठक में ठेकेदारों के देयकों का नियमानुसार भुगतान सुनिश्चित करने के संबंध में भी दिशा-निर्देश दिए गए, जिससे पूर्ण एवं प्रगतिरत कार्यों में निरंतरता बनी रहे और योजना का लाभ ग्रामीणों को समय पर मिल सके। बैठक में जिला पंचायत सीईओ डॉ. आशुतोष चव्वाँदे, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी के कार्यपालन अभियंता श्री पंकज जैन, उप अभियंता एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

‘मेरे सपनों का भारत’: जिला स्तरीय कार्यक्रम में गूँजा विकसित भारत का संकल्प

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। सेवा संकल्प अभियान के तहत ‘मेरे सपनों का भारत’ जिला स्तरीय कार्यक्रम शनिवार को पी.जी. कॉलेज ऑडिटोरियम में संपन्न हुआ। ‘सेवा और समर्पण के 25 वर्ष – जन सेवा से देश सेवा’ थीम पर आयोजित कार्यक्रम में सांसद चिंतामणि महाराज मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

विकसित भारत में हर नागरिक की भागीदारी जरूरी: सांसद

मुख्य अतिथि सांसद चिंतामणि महाराज ने कहा कि प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आने वाला भारत शिक्षित, समृद्ध और सशक्त के रूप में उभरेगा। उन्होंने कहा कि ‘मेरे सपनों का भारत’ कार्यक्रम में पीएम मोदी के जीवन संघर्ष से लेकर प्रधानमंत्री बनने तक की यात्रा और देश के विकास में उनके योगदान को मंचन के जरिए प्रभावशाली ढंग से दिखाया गया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार में काशी विश्वनाथ धाम और अयोध्या जैसे सांस्कृतिक स्थलों को नया आयाम मिला है। 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को पाने के लिए हर नागरिक की सहभागिता जरूरी है। पीएम-जनमन जैसी योजनाओं से विशेष पिछड़ी जनजातियों का जीवन स्तर



सुधर रहा है। लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिश्र ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में देश तकनीक और अंतरिक्ष सहित हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। अटल जी की प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना ने गांवों को विकास से जोड़ा, उसी राह पर आज देश तेज गति से बढ़ रहा है। युवा आयोग अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर ने भी विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की सराहना की।

प्रदर्शनी और प्रतिभाओं ने मोहा मन

कार्यक्रम में चित्रकला, रंगोली, निबंध, विज्ञान मॉडल की प्रदर्शनी लगाई गई। विद्यार्थियों ने क्लॉथ फोल्डिंग मशीन, ब्लूटूथ कंट्रोल होम ऑटोमेशन, ऑटोमेटिक रेन सेंसर क्लॉथ प्रोटेक्टर, मुर्गी फीडिंग मशीन जैसे नवाचारी मॉडल प्रदर्शित किए। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में संत हरकेल कॉलेज

के छात्रों ने मतदाता जागरूकता पर नृत्य, ‘नमो गाथा’ नुक्कड़ नाटक तथा कन्या परिसर और नवोदय विद्यालय के छात्रों ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किए।

ड्रॉपआउट बच्चों की स्कूल वापसी, उल्लास स्वयंसेवकों का सम्मान

कार्यक्रम में शिक्षा से दूर हो चुके ड्रॉपआउट बच्चों का

स्वागत कर उन्हें स्कूल से फिर जोड़ा गया। उल्लास नवभारत साक्षरता अभियान के स्वयंसेवकों, विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया। इस दौरान शिक्षा विभाग की पत्रिका ‘ओजस्वी भारत’ का विमोचन और पुस्तक दान के लिए स्टॉल भी लगाया गया। कार्यक्रम में महापौर मंजुषा भगत, जिला पंचायत अध्यक्ष निरूपा सिंह, उपाध्यक्ष देवनारायण यादव, भारत सिंह सिसोदिया, कलेक्टर अजीत वसंत, जिला पंचायत सीईओ रोमा श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में छात्र, शिक्षक और नागरिक उपस्थित रहे।

गांधीवाद विश्व शांति और विकास का एक मात्र रास्ता : डॉ. विनोद पाण्डेय

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

शक्तिनगर सोनभद्र महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ एनटीपीसी परिसर राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई प्रथम के बैनर तले दिनांक 2 अक्टूबर 2026 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के जयंती पर श्रमदान एवं विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया इस अवसर पर स्वयंसेवकों ने गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और परिसर के साफ सफाई अभियान में हिस्सा लिया इसी क्रम में एक विचार गोष्ठी आयोजित की गई गोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. विनोद कुमार पाण्डेय ने कहा कि विश्व

चुनौतियों के समाधान के लिए गांधीवाद ही एक मात्र सूत्र है जिससे सर्वोदय और समावेशी विकास के वैश्विक लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है गांधी जी ने अपने सत्य के साथ प्रयोग से जो दर्शन मानव समाज के सामने प्रस्तुत किया है आज उसकी प्रासंगिकता बढ़ गई है विशिष्ट अतिथि डॉ. विनोद पाण्डेय ने गांधी जी को स्वतंत्रता संग्राम के सबसे बड़े नायक के रूप में याद करते हुए उनके जीवन पर प्रकाश डाला और उसे आत्मसात करने पर बल दिया कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे उदय नारायण पाण्डेय ने गांधी जी और शास्त्री जी के जीवन से आज के छात्रों को सीख लेने का आवाहन किया

नवीन महाविद्यालय में महिला सुरक्षा और सम्मान पर जागरूकता कार्यक्रम



छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रघुनाथनगर। सेवा संकल्प अभियान (17 सितंबर से 17 अक्टूबर) के तहत नवीन शासकीय महाविद्यालय में शुक्रवार को महिला सुरक्षा एवं सम्मान पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी प्राचार्य रेवती प्रसाद ने की, जबकि आयोजन एवं समन्वय कार्यक्रम प्रभारी नीलिमा एक्का ने किया।

शुभारंभ मौं सरस्वती, छत्तीसगढ़ महतारी और भारत माता के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन और माल्यार्पण से हुआ। इसके बाद राष्ट्रीय गीत और राजकीय गीत का सामूहिक गायन किया गया।

पुलिस और डॉक्टर ने दी अहम जानकारी

थाना रघुनाथनगर से थाना प्रभारी लखेश्वर कश्यप, अजय कुमार, अरुण, रूपेंद्र और वीर सिंह आयाम ने छात्राओं को

महिला सुरक्षा, साइबर अपराध, सोशल मीडिया सुरक्षा, डिजिटल फ्रॉड और एफआईआर की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से डॉ. उदय कांत प्रधान ने महिला स्वास्थ्य, पोषण, व्यक्तिगत स्वच्छता और मासिक धर्म स्वच्छता पर उपयोगी जानकारी दी। मंच संचालन गीता मैम ने किया और डॉ. कुलवंत ने उद्बोधन दिया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी छात्र-छात्राएं और स्टाफ उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को सुरक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, साइबर सुरक्षा और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक कर सुरक्षित व सम्मानजनक वातावरण के निर्माण के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय गान और आधार व्यक्त के साथ हुआ।

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बलरामपुर। सेवा संकल्प अभियान के तहत नगर पालिका परिषद बलरामपुर में साप्ताहिक बाजार स्थल के पास सेवा सेतु शिविर आयोजित किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में नागरिकों ने पहुंचकर शासन की 26 प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लिया और अपनी समस्याओं का समाधान कराया। जनप्रतिनिधियों और कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी ने शिविर का अवलोकन किया। शिविर में पीएम आवास 2.0 के हितग्राहियों को भवन अनुज्ञापत्र, स्वनिधि योजना के हितग्राही को ऋण राशि और उत्कृष्ट आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं व मितांनियों को सम्मान प्रदान

किया गया। अधिकारियों ने बताया कि प्राप्त आवेदनों का वर्गीकरण कर त्वरित निराकरण योग्य मामलों का मौके पर ही समाधान किया जा रहा है, जबकि शेष प्रकरणों का कलेक्टर स्तर पर समीक्षा कर निराकरण होगा। राजस्व प्रकरणों के लिए अलग व्यवस्था की गई थी।

पीएम सूर्य घर और एग्री स्टैक से जुड़ने की अपील

नगर पालिका अध्यक्ष लोधीराम एक्का ने कहा कि पीएम मोदी का कार्यकाल जनसेवा को समर्पित है और सेवा सेतु शिविर इसी भावना का उदाहरण है। कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी ने कहा कि शिविर का उद्देश्य एक ही स्थान पर पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ देना है। उन्होंने बताया



कि निर्वाचन आयोग के निर्देश पर विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद छूटे मतदाताओं और नए युवाओं के पंजीयन के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने किसानों से एग्री स्टैक पंजीयन कराने और नागरिकों से पीएम सूर्य घर योजना के तहत सोलर पैनल लगाने की अपील की। कलेक्टर ने सभी स्टॉलों का अवलोकन कर अधिकारियों को निर्देश दिए कि कोई भी पात्र व्यक्ति लाभ से वंचित न रहे।

हितग्राहियों को मिला लाभ

शिविर में छोटकू मुंजनी, लजिना बीबी, विजय तिकी, आलोननी उराव, तालिब अंसारी, सरोज देवी, अनवर अंसारी और अमित यादव को पीएम आवास 2.0 के तहत भवन अनुज्ञापत्र दिए गए। स्वनिधि योजना के एक हितग्राही को तीसरी किरत के रूप में 50 हजार रुपये दिए गए। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ममता तिगा, सुशीला एक्का, इमराना खातुन, सहायिका रीता एक्का और मितांन

बिरजमनियां को उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। महिला बाल विकास द्वारा गोदभराई और अन्नप्राशन संस्कार भी कराए गए। इस अवसर पर उपाध्यक्ष दिलीप सोनी, पार्षद बिरजिनिया केरकेट्टा, रीना मसीह, लक्ष्मी गुप्ता, एल्डरमैन गोपालकृष्ण मिश्रा, मनोज गुप्ता, सीएमओ दीपक एक्का सहित जिला अधिकारी और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

गांधी-शास्त्री जयंती पर गूँजा राष्ट्रसेवा का संदेश, मालवीय मिशन ने किया माल्यार्पण

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर महामना मालवीय मिशन, सरगुजा द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर में गांधी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में महापुरुषों के आदर्शों को जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम में मिशन के संरक्षक हरिशंकर त्रिपाठी ने कहा कि गांधी जी की प्रासंगिकता को आज भी पूरा विश्व स्वीकार करता है। उन्होंने सत्य और अहिंसा को जीवन का आधार बनाया और स्वतंत्रता



आंदोलन को जन-आंदोलन बनाया। गांधी का रामराज्य लोककल्याणकारी व्यवस्था का प्रतीक था। डॉ. बी.के. सिंह ने शास्त्री जी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रजय जवान, जय किसान और नारा देने वाले

शास्त्री जी सादगी, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के प्रतीक थे। पेंशनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष हरिशंकर सिंह ने कहा कि महापुरुषों के योगदान को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए ऐसे आयोजन जरूरी हैं। रणविजय सिंह तोमर ने कहा कि

गांधी के आदर्शों से ही समाज में समरसता आएगी, वहीं जयप्रकाश चौबे ने कहा कि महापुरुषों के कथन और आचरण में कोई अंतर नहीं था। पिरामल फाउंडेशन की जिला समन्वयक सरस्वती विश्वकर्मा ने कहा कि जयंती की

सार्थकता तभी है जब हम गांधी के आदर्शों को अपनाएं। उन्होंने बताया कि गांधी जयंती पर पूरे प्रदेश में ग्राम सभाओं का आयोजन हो रहा है, जिसमें पिरामल स्वास्थ्य की टीम स्वास्थ्य पंचायत, टीबी, पोषण और स्वस्थ जीवनशैली पर संवाद करेगी। अशोक सोनकर और प्रकाश कश्यप ने कहा कि गांधी और शास्त्री का जीवन दर्शन युवाओं तक पहुंचाना समय की जरूरत है। अंत में राजनारायण द्विवेदी ने आधार व्यक्त करते हुए कहा कि दोनों महापुरुषों ने सिखाया कि सार्वजनिक जीवन में विचार और आचरण में एकरूपता जरूरी है।

गांधी जयंती पर सामूहिक श्रमदान कर दिया स्वच्छता का संदेश

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

भैयाथान। गांधी जयंती के अवसर पर विकासखंड के ग्राम दरीपारा में सेवा संकल्प अभियान और स्वच्छता ही सेवा अभियान 2026 के तहत सामूहिक श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व किसान मोर्चा ब्लॉक अध्यक्ष नितिन तिवारी ने किया। सुबह से ही ग्रामीणों और कार्यकर्ताओं ने स्कूल परिसर सहित आसपास के सार्वजनिक स्थलों, सड़कों और चौक-चौराहों की साफ-सफाई की। लोगों ने हाथों में झाड़ू लेकर कचरा हटाया और स्वच्छ वातावरण बनाए रखने का संकल्प



लिया। इस दौरान स्वच्छता के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी का संदेश दिया गया। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के छायाचित्र पर माल्यार्पण और श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई। वक्ताओं ने कहा कि गांधी जी ने स्वच्छता को स्वतंत्रता से भी बड़ा बताया था। उनके सपनों का भारत

तभी बनेगा जब हर व्यक्ति स्वच्छता को अपनी आदत बनाएगा। इस अवसर पर शीतल गुप्ता, अभिषेक गुप्ता, सुनील गुप्ता, शुभम गुप्ता, हर्ष गुप्ता, आकाश तिवारी, मदन, अर्चना कुशवाहा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और युवा उपस्थित रहे।

संभाव स्तरीय नॉकआउट कम लीग फुटबॉल में धरमपुर और सोहगा ने जीते मुकाबले



छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। नगर के गांधी स्टेडियम में चल रही संभाग स्तरीय नॉकआउट कम लीग फुटबॉल प्रतियोगिता में शुक्रवार को दो रोमांचक मैच खेले गए। जिसमें धरमपुर और सोहगा ने अपने-अपने मुकाबले जीते।

पहला मुकाबला कौतिप्रकाशपुर सरगुजा और धरमपुर सूरजपुर के बीच खेला गया। प्रथम हाफ में

धरमपुर की टीम ने शानदार तासमेल के साथ खेलते हुए 1-0 की बढ़त बना ली। दूसरे हाफ में भी धरमपुर ने अपना दबदबा कायम रखा और एक और गोल दागकर 2-0 से जीत दर्ज की।

दूसरा मैच सोहगा ने जमदरा को 1-0 से हराया

दूसरा मैच सोहगा और यूथ अकेडमी सोहगा के बीच हुआ। पहले हाफ में दोनों टीमों ने गोल

के कई प्रयास किए लेकिन कोई भी टीम गोल करने में कामयाब नहीं हो सकी। दूसरे हाफ में सोहगा की टीम ने बेहतर खेल दिखाते हुए एक गोल कर 1-0 की बढ़त बना ली और अंत तक इसी स्कोर के साथ जीत हासिल की। मैच के निर्णायक दिनेश जायसवाल, अमरदेव, नीलभूषण और रामबहादुर लाम्बा रहे। इस दौरान कार्यकारिणी सदस्य दीपक कुजूर, कमलेश किस्मोट्टा, अखिलानंद, विनोद पैकरा और मंगल भी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के तहत 4 अक्टूबर को पहला मैच फुटबॉल क्लब राता बनाम अडची और दूसरा मैच जेएमसी स्टाइकर अम्बिकापुर बनाम फुटबॉल क्लब पोड़ीणा के बीच खेला जाएगा।

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

भटगांव। प्रगति विहार मंगल भवन में भटगांव एवं जरही क्षेत्र के सर्व ब्राह्मण समाज की ओर से परिचय सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विवाह योग्य युवक-युवतियों एवं उनके परिवारों ने सहभागिता की। सम्मेलन का उद्देश्य केवल वैवाहिक रिश्तों की तलाश तक सीमित नहीं रहा, बल्कि समाज में आपसी मेलजोल, एकता, सहयोग और नई पीढ़ी को संस्कार एवं मार्गदर्शन से जोड़ने पर भी व्यापक चर्चा हुई। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान परशुराम के चरणों में नमन के साथ हुई। वक्ताओं ने कहा कि भगवान परशुराम सत्य, धर्म, साहस, त्याग, ज्ञान और कर्तव्य पालन की प्रेरणा देते हैं। उनके

आदर्शों को जीवन में आत्मसात करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। सम्मेलन में कहा गया कि विवाह केवल दो व्यक्तियों का संबंध नहीं, बल्कि दो परिवारों और संस्कारों का मिलन है। ऐसे परिचय सम्मेलन समाज के परिवारों को बेहतर वैवाहिक संबंधों के लिए अवसर उपलब्ध कराने के साथ-साथ आपसी परिचय और सामाजिक समन्वय को मजबूत करते हैं।

शिक्षा, रोजगार और सामाजिक सहयोग पर जोर

कार्यक्रम में समाज की एकता को सबसे बड़ी ताकत बताते हुए व्यक्तिगत मतभेदों से ऊपर उठकर सामूहिक हित में काम करने का आह्वान किया गया। शिक्षा, रोजगार, विवाह, सामाजिक



सहयोग और युवाओं के मार्गदर्शन जैसे विषयों पर भविष्य में ठोस पहल करने की आवश्यकता जताई गई। समाज की ओर से ज़रूरतमंद परिवारों के लिए सहयोग कोष, विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक एवं करियर मार्गदर्शन, युवाओं के लिए रोजगार एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में सहयोग तथा विवाह योग्य युवक-युवतियों के लिए नियमित परिचय एवं वैवाहिक समन्वय कार्यक्रम

साथ ही आने वाली पीढ़ी को शिक्षा, संस्कार और सेवा से जोड़ना समाज की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। कार्यक्रम में मातृशक्ति की सहभागिता की भी विशेष सराहना की गई। आयोजन को सफल बनाने में युवाओं द्वारा दिए गए समय और सहयोग के लिए उनका आभार व्यक्त किया गया। आयोजन समिति के सदस्यों, समाज के वरिष्ठजनों, मातृशक्ति, युवाओं और कार्यक्रम में शामिल परिवारों के प्रति भी आभार जताया गया। अंत में भटगांव एवं जरही क्षेत्र के ब्राह्मण समाज ने सामाजिक एकता, सहयोग और संस्कारों को मजबूत करने का संकल्प लेते हुए कहा कि ‘संगठित ब्राह्मण समाज, संस्कारित युवा समाज और सहयोगी समाज—यही हमारा लक्ष्य हो।’

दवा पर मुनाफे की सीमा निर्धारित करने का समय

दवा कोई सामान्य बाजारू वस्तु नहीं है। जब किसी व्यक्ति को जीवन बचाने के लिए दवा की जरूरत पड़ती है तो उसके सामने कीमत और इलाज के बीच चुनाव की स्थिति नहीं होनी चाहिए। यदि किसी दवा की कीमत निर्माता से निकलने के बाद आपूर्ति श्रृंखला में कई गुना बढ़ जाती है तो यह केवल बाजार व्यवस्था का सवाल नहीं रह जाता, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य और उपभोक्ता अधिकार का विषय बन जाता है। सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणी ने इसी गंभीर सवाल को देश के सामने फिर से ला खड़ा किया है। 29 सितंबर को दवा कीमतों से संबंधित याचिकाओं की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने दवा के उस मूल्य अंतर पर कड़ी टिप्पणी की, जिसमें किसी दवा का खुदरा विक्रेता को मूल्य और पैकेट पर छपी अधिकतम खुदरा कीमत यानी एमआरपी के बीच बहुत बड़ा अंतर था। मामला एक आवश्यक केसर दवा का था जो खुदरा विक्रेताओं को करीब 2,700 रुपये में उपलब्ध कराई जा रही थी, जबकि उसका एमआरपी लगभग 27,000 रुपये था। अदालत ने इस अंतर को लेकर बेहद तीखे शब्दों का इस्तेमाल किया और केंद्र से पूछा कि 2013 के ड्रग्स प्राइस कंट्रोल ऑर्डर यानी डीपीसीओ में निर्धारित 16 प्रतिशत खुदरा मार्जिन सभी आवश्यक दवाओं पर लागू क्यों नहीं किया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी को केवल किसी एक दवा या कंपनी के संदर्भ में देखने के बजाय उस व्यापक व्यवस्था के संदर्भ में देखना चाहिए जिसमें दवा की कीमत तय होती है। भारत में आवश्यक दवाओं की कीमत नियंत्रित करने के लिए डीपीसीओ और नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी यानी एनपीपीए की व्यवस्था पहले से मौजूद है। आवश्यक दवाओं की सूची में शामिल दवाओं के लिए एनपीपीए अधिकतम कीमत तय करता है। इस कीमत की गणना में बाजार में उपलब्ध समान दवाओं के खुदरा विक्रेता मूल्य का औसत और 16 प्रतिशत खुदरा मार्जिन शामिल होता है। समस्या यह है कि सभी दवाएं इस व्यवस्था के दायरे में नहीं आतीं। डीपीसीओ मुख्य रूप से कीमत में 12 महीने में 10 प्रतिशत से अधिक वृद्धि पर रोक लगाता है। यही वह जगह है, जहां मौजूद व्यवस्था पर सबसे बड़ा सवाल खड़ा होता है। यदि किसी दवा का शुरुआती एमआरपी ही वास्तविक लागत की तुलना में कई गुना अधिक तय कर दिया जाए तो बाद में कीमत बढ़ाने की सीमा 10 प्रतिशत रखना बहुत प्रभावी नियंत्रण नहीं रह जाता। ऊंची शुरुआती कीमत ही भविष्य की कीमतों का आधार बन जाती है। इसलिए सवाल केवल यह नहीं होना चाहिए कि किसी दवा की कीमत साल में कितनी बढ़ी, बल्कि यह भी होना चाहिए कि वह कीमत शुरू में तय कैसे हुई। सरकार को इस मुद्दे पर व्यापक नीति बनाने की जरूरत है। दवा उद्योग में अनुसंधान, नई दवाओं के विकास, गुणवत्ता नियंत्रण, आपूर्तिात कच्चे माल, उत्पादन, वितरण और निवेश की वास्तविक लागत होती है, लेकिन इन लागतों के नाम पर ऐसी कीमत भी उचित नहीं ठहराई जा सकती जिसमें मरीज और निर्माता के बीच मूल्य का अंतर असमान्य रूप से बढ़ जाए। इसलिए एक व्यावहारिक रास्ता यह हो सकता है कि जीवनरक्षक दवाओं के लिए एमआरपी और लागत के बीच उचित मार्जिन को परदर्शी सीमा तय की जाए। इसमें निर्माता, वितरक, विक्रेता और अस्पताल समेत पूरी आपूर्ति श्रृंखला के मार्जिन को अलग-अलग देखा जाए। जहां किसी चरण पर असाधारण मुनाफा हो रहा हो, वहां सरकार को हस्तक्षेप का अधिकार होना चाहिए। विशेष रूप से अस्पतालों में बेची जाने वाली दवाओं के मामले में पारदर्शिता और जरूरत है।

गांधी जयंती विशेष

रोहित कौशिक



दिल में नफरत पालकर गांधी

को नहीं समझा जा सकता

महात्मा गांधी को समझने के लिए हमारा हृदय निर्मल होना चाहिए। अपने दिल में नफरत पालकर हम गांधी को नहीं समझ सकते। आमतौर पर इस पढ़े-लिखे समाज में जब गांधी पर कोई चर्चा होती है तो उसमें हास्य का भाव ज्यादा होता है। लोगों को लगता है कि इस दौर में गांधी के आदर्शों को अपनाकर जिंदगी नहीं चल सकती। सवाल यह है कि गांधी के आदर्श क्या हैं ? सत्य, अहिंसा और ईमानदारी ही तो गांधी के आदर्श हैं। क्या हम अपने बच्चों को यह शिक्षा देते हैं कि खूब दूध बोली, लड़ाई-झगड़े करो और बेईमानी के रास्ते पर चलो। बेईमान व्यक्ति भी अपने बच्चों को सीधे तौर पर ऐसी शिक्षा नहीं देता है। यह बात अलग है कि बच्चे व्यावहारिक रूप से अपने पिता की बेईमानी देखकर उसी रास्ते पर आगे बढ़ने लगते हैं। हम अपने घर में भी बच्चों को अच्छा बनने की ही शिक्षा देते हैं।

फिर क्या कारण है कि हम गांधी के रास्ते को व्यावहारिक नहीं मानते हैं? गांधी का रास्ता हमें मुश्किल लगता है। समाज में अच्छाई का उपदेश देने वाले वाले साधु-संतों और मुल्ला-मौलवियों के आगे हम नतमस्तक हो जाते हैं, लेकिन सच्चे अर्थों में अच्छाई स्थापित करने की कोशिश करने वाले गांधी को हम हास्य के तौर पर क्यों देखने लगते हैं? क्या यह हमारा खोखला आदर्शवाद नहीं है ? आमतौर पर यह कहा जाता है कि इस दौर में शांत रहकर गांधी के अहिंसा के सिद्धान्त को नहीं अपनाया जा सकता। अगर हम शांत रहेंगे तो इसे हमारी कमजोरी मान लिया जाए।। गलत बातों का प्रतिकार करना और शांत रहना दो अलग बातें हैं। अगर हम शांत प्रवृति के हैं और शांति व अहिंसा चाहते हैं तो इसका अर्थ यह नहीं है कि हम गलत बातों का प्रतिकार नहीं कर सकते। गांधी ने शांत रहकर अहिंसा के माध्यम से ही गलत बातों का

प्रतिकार किया। क्या इस दौर में यह संभव हो सकता है ? इस दौर में यह मुश्किल जरूर है, लेकिन असंभव नहीं। शांति और अहिंसा की अपनी एक अलग शक्ति होती है। इस समय हमने ऐसा वातावरण बना दिया है कि हमारे लिए इस शक्ति को महसूस करना थोड़ा मुश्किल हो गया है। हम इतनी हड़बड़ी में हैं कि इस शक्ति को महसूस नहीं करना चाहते। हम हिंसा के माध्यम से दूसरे को तत्काल दवा देना चाहते हैं। आर्थिक समृद्धि ने हमारी मानसिकता में एक बड़ा परिवर्तन किया है। इस परिवर्तन से उपजे आत्मविश्वास के कारण हम हर किसी को देख लेने की धमकी देने लगें हैं। गांधी ने किसी को देख लेने की धमकी नहीं दी और अहिंसा के माध्यम से ही अंग्रेजों को देख लिया। अहिंसा के प्रयोग को हमने कमजोरी से जोड़ लिया है। हमें यह डर रहता है कि यदि हम अहिंसा के मार्ग पर चलेंगे तो कमजोर मान लिए जाएंगे। जब तक हम अहिंसा के प्रयोग से डरते रहेंगे तब तक अहिंसा की शक्ति को महसूस नहीं कर पाएंगे।

हम यह नहीं समझ पाते हैं कि हिंसा की शक्ति तात्कालिक होती है, लेकिन अहिंसा की शक्ति दीर्घकालिक होती है। अगर हम दीर्घकालिक शक्ति के मार्ग पर चलेंगे तो कुछ समय बाद तात्कालिक शक्ति कमजोर हो जाएगी। जब लोग धीरे-धीरे अहिंसा की शक्ति समझने लगेंगे तो हिंसा के खरब होने की संभावना बढ़ जाएगी। लेकिन इस प्रक्रिया के लिए धैर्य की जरूरत है। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि हमारे पास धैर्य की कमी है और हम गांधी पर यह आरोप लगाते हैं कि इस दौर में अहिंसा और ईमानदारी के माध्यम से कुछ संभव नहीं हो सकता। इस दौर में भी गांधी प्रासंगिक है। गांधी के प्रति पूर्वाग्रहों के कारण ही यह कहा जाता है कि इस दौर में गांधी प्रासंगिक नहीं हैं। सवाल यह है कि एक जमाने में जिस गांधी के पीछे लाखों लोग हो लेते थे, आज उसी गांधी के बारे में नकारात्मकता का भाव क्यों है ? हमारे पुरखों ने गांधी में कुछ अच्छाइयां देखी होंगी, तभी उन्होंने गांधी पर भरोसा जताया। आज हम गांधी में खुदइयां ढूँढ रहे हैं। गांधी पर सवाल उठाना और स्वयं सवालों से बच जाना बहुत आसान है। दूर खड़े होकर गांधी को नहीं समझा जा सकता है। गांधी को समझने के लिए हमें गांधी के पास जाना होगा। कौन हैं वे लोग जिन्हें गांधी के पास जाने से डर लगता है? निश्चित रूप से हिंसक लोगों को गांधी के पास जाने से डर लगता है। ऐसे लोग ही डकर गांधी पर विभिन्न आरोप लगाते हैं। आप अंधजा लगा सकते हैं कि जो लोग गांधी जैसे अहिंसक और प्रेमी इंसान से भी डरते हैं वे कितने कमजोर लोग हैं। जाहिर है कि कमजोर लोग गांधी को नहीं समझ सकते। गांधी को समझने के लिए हम को शक्ति चाहिए।

(लेखक उत्तरांचल संसकारकर्त हैं, वे उनके अपने विचार हैं।)

विचार

मुफ्तखोरी क्या वैश्विक समस्या बनेगी

भारत में मुफ्तखोरी योजनाएं, जिन्हें फ्रीबीज भी कहा जाता है, पिछले लंबे समय से एक आम बात हो चुकी हैं। मुफ्त बिजली, मुफ्त पानी, मुफ्त यात्रा से आगे बढ़ते हुए अब बात साइकिल, स्कूटी, मंगलसूत्र, लैपटॉप और टैब तक पहुंच चुकी है। राजनीतिक दल, जो पहले सैद्धांतिक रूप से फ्रीबीज का विरोध करते थे, वे भी बड़े पैमाने पर इस प्रकार की योजनाओं की घोषणाएं धड़ल्ले से करते हुए दिखाई दे रहे हैं। दिलचस्प बात तो यह है कि इन फ्रीबीज को जन-कल्याण के नाम पर अन्य प्रकार से औचित्यपूर्ण भी ठहराया जाता है। इसी प्रकार की फ्रीबीज की घोषणाएं कुछ अन्य देशों में भी देखने और सुनने को मिलने लगी हैं। कुछ दिन पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा सभी व्यस्क लोगों (यानी मतदाताओं) को 5 हजार डॉलर देने की पेशकश की गई है, जिसमें शर्त यह है कि मध्यावधि चुनावों के मद्देनजर आप ट्रंप की पार्टी को वोट दीजिए। दिलचस्प बात यह है कि अमेरिका से प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ी विभिन्न एजेंसियां भारत के प्रजातंत्र के बारे में टिप्पणियां तो करती ही हैं, भारतीय प्रजातंत्र में शांतिपूर्ण चुनाव एवं सत्ता हस्तांतरण, प्रेस, मीडिया और बोलने की स्वतंत्रता, स्वायत्त न्याय पालिका एवं अन्य संस्थाओं के बावजूद भारतीय प्रजातंत्र को अत्यंत निचले स्तर पर रेंटींग को जाती है।

अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा सीधे तौर पर वोट के बदले नोट देने की पेशकश, दुनिया में एक नई बहस को जन्म दे रही है कि क्या अब विकास, स्वच्छ प्रशासन, संवैधानिक अधिकारों की सुरक्षा, इंफ्रास्ट्रक्चर विकास, आमजन के लिए सुविधाओं की बजाए फ्रीबीज के आधार पर प्रजातंत्र में मतदाता वोट डाला करेंगे। ऐसे में यदि सत्ता पाने के लिए राजनीतिक दल वोटों को राशि देने की पेशकश करने में प्रतिस्पर्द्धा करने लगे तो उसका खामियाजा किसे भुगतना पड़ेगा। यह राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता यहां रुकने वाली नहीं है, यह नीचे राज्यों (स्टेट्स) तक जाएगी और वहां गवर्नर की रस में लगे दल भी इसी प्रकार की पेशकश करने लगे, तो उसका असर जन सेवाओं पर कितना पड़ सकता है, इसका अंदाज भारत में इस प्रतिस्पर्धा से लगाया जा सकता है। भारत में मुफ्तखोरी योजनाओं की शुरुआत कहां से हुई, उसके बारे में चर्चा करते हुए यदि हम उसके प्रकार और फैलाव के बारे में देखते हैं तो ध्यान में आता है कि सरकारी खजाने पर इसका सर्वाधिक असर पंजाब, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना, राजस्थान, केरल, मध्य प्रदेश, तमिलनाडू आदि राज्यों में ज्यादा दिखाई देता है। भारत के महालंखाकार और अकेंक्षक (केग) के अनुसार 2024-25 में पंजाब, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, और

तमिलनाडू में कुल सरकारी खर्च के 13.5 प्रतिशत से ज्यादा इस प्रकार की योजनाओं में खर्च हो रहा था। हालांकि, तमिलनाडु और दिल्ली इन मुफ्तखोरी योजनाओं के खासे चर्चित उदाहरण रहे हैं, लेकिन इन राज्यों में सरकारी कर्ज सरकारी खातों में दिखाई नहीं देता, लेकिन यह इसलिए है कि दिल्ली में प्रति व्यक्ति सरकारी राजस्व, राष्ट्रीय औसत के दुगुने से भी अधिक है। इसका अप्रत्यक्ष कारण यह है कि दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय भी राष्ट्रीय औसत के मुकाबले दुगुनी से भी अधिक है। कमोबेश यही स्थिति तमिलनाडु की भी है। भारतीय जनता पार्टी इन मुफ्तखोरी योजनाओं का



सैद्धांतिक रूप से विरोध करती रही है। अन्य राजनीतिक दलों की मुफ्तखोरी योजनाओं के मद्देनजर अब यह पार्टी भी सत्ता के समीकरण अपने पक्ष में करने हेतु खुलकर इन मुफ्तखोरी योजनाओं की केवल घोषणा ही नहीं कर रही, बल्कि उनके फायदे भी गिना रही है। उदाहरण के लिए मध्य प्रदेश में लाडली बहन योजना, दिल्ली में मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना और कई अन्य राज्यों में इस प्रकार की योजनाएं चल रही हैं। हालांकि यह मुफ्तखोरी योजना ही है, लेकिन यह पार्टी की राजनीतिक मजबूरी भी कही जा सकती है।

दिल्ली की महिलाओं के लिए दी जाने वाली राशि केवल इसके लिए पात्र (गरीब) महिलाओं को ही मिलेगी। दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी ने आम आदमी पार्टी द्वारा दी जा रही मुफ्त बिजली, पानी आदि की सुविधा को बरकरार भी रखा है। इन सभी मुफ्तखोरी योजनाओं का असर देश पर बढ़ते कर्ज के रूप में भी दिखाई देता है। गौरतलब है कि 2010-11 में देश पर सम्मिलित कर्ज केंद्र और राज्य जीडीपी का 65.6 प्रतिशत था। जिसमें केंद्र सरकार का कर्ज जीडीपी का 48.58 प्रतिशत और राज्यों का कर्ज जीडीपी का 23.5

एक सप्ताह अपने लिए निकालें

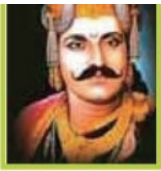
श्वास और मन पर ध्यान देने से हमारी प्रतिक्रिया प्रणाली (इम्यून सिस्टम) मजबूत होता है। यदि आप शिशुओं को देखें, तो पाएंगे कि वे अत्यंत संतुलित तरीके से श्वास लेते हैं। वे पूरे शरीर से श्वास लेते हैं-जब वे श्वास अंदर लेते हैं, तो पेट बाहर आता है, और जब श्वास छोड़ते हैं, तो पेट भीतर चला जाता है। पर जैसे-जैसे हम तनावग्रस्त होते



संकलित

दर्शन

हैं, यह प्रक्रिया उल्टी हो जाती है। ऐसी बातें कोई सिखाता नहीं, बस सजगता चाहिए। पर हमारा मन इतना व्यस्त, विचारों, निर्णयों और प्रतिक्रियाओं से भरा होता है कि हम प्रकृति की इन सूक्ष्म बातों को देख ही नहीं पाते। इसलिए साल में एक बार, एक सप्ताह अपने लिए निकालें, जैसे आप कार की सर्विसिंग कराते हैं। उस समय प्रकृति के साथ सामंजस्य में रहें, सूर्योदय के साथ उठें, हल्का और आवश्यक मात्रा में भोजन करें, व्यायाम करें, योग, प्राणायाम, कुछ समय मौन रखें और प्रकृति का आनंद लें। जब हम प्रकृति से जुड़ते हैं, तो हमारी पूरी प्रणाली पुनर्जीवित हो जाती है। हम ऊर्जावान, उत्साही और प्रफुल्लित अनुभव करते हैं। सबसे महत्त्वपूर्ण है- जीवन में अधिक प्रसन्न रहना। चीजों को बहुत गंभीरता से न लें। थोड़ा सा आत्मज्ञान, अपने मन, चेतना और भ्रमों के मूल को समझना हमें जीवन को सुंदर बनाने में मदद करता है। हर व्यक्ति में सभी सहज पहले से विद्यमान हैं, बस अज्ञानता की परतों से ढके हैं। हमें केवल उन्हें हटाना है और भीतर छिपे उन गुणों को प्रकट होने देना है।



संकलित

प्रेरणा

पहुंचा। पहरेदार ने पूछा- आप कौन हैं? कहां जाना है? विद्वान ने कहा- जाओ राजा से कहो कि उनका भाई आया है। पहरेदार ने जब भोज को यह बात बताई तो... वह सोचने लगे- मेरा तो कोई भाई है नहीं है फिर कौन हो सकता है। कहीं कोई धूर्त तो नहीं। उनकी उत्पुकता जागी। उन्होंने विद्वान को बुलावा लिया। 'कैसे हुए भाई-भाई' भोज ने विद्वान से पूछा- क्या तुम मेरे भाई हो? किस नाते से? विद्वान ने कहा- मैं आपका मौसेरा भाई हूं। आपकी मौसी का लड़का। भोज ने पूछा- कैसे? मेरी तो कोई मौसी नहीं है। विद्वान बोला- महाराज। आप संपत्ति माता के पुत्र हैं और मैं विपत्ति माता का पुत्र। संपत्ति और विपत्ति बहने हैं। इस नाते में आपका मौसेरा भाई हुआ न। यह सुनकर भोज बेहद प्रसन्न हुए। उन्होंने ढेर सारी स्वर्ण मुद्राएं विद्वान को दीं। फिर भोज ने पूछा- मेरी मौसी तो कुशल हैं न? इस पर विद्वान ने जवाब दिया- राजन, जब तक आपकी मौसी जीवित थीं, आपके दर्शन नहीं हुए थे। अब आपके दर्शन हुए तो आपकी मौसी स्वर्ग सिंघार गईं। इस उत्तर से भोज को और भी प्रसन्नता हुई। उन्होंने विद्वान को गले से लगा लिया।

अंतर्गमन



करंट अफेयर

लाहौर में नेहरू पार्क के जीर्णोद्धार का काम शुरू

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के लाहौर में भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े ऐतिहासिक नेहरू पार्क के जीर्णोद्धार का काम शुरू हो गया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। कृष्णा नगर इलाके में स्थित नेहरू पार्क उस स्थान पर बना है, जहां भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने अपने ऐतिहासिक लाहौर अधिवेशन के दौरान 31 दिसंबर, 1929 को ‘पूर्ण स्वराज’ का प्रस्ताव पारित किया था। इस प्रस्ताव में भारत के लिए पूर्ण स्वशासन और ब्रिटिश शासन से पूरी स्वतंत्रता की मांग की गई थी। उस समय कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष जवाहरलाल नेहरू ने इस घोषणा के प्रतीक के तौर पर इसी स्थान पर भारतीय ध्वज फहराया था। पावर्स एंड हॉर्टिकल्चर अथॉरिटी (पीएचए) के महानिदेशक अहमद उस्मान जावेद ने बुधवार को संवाददाताओं से कहा कि सरकार ने ऐतिहासिक नेहरू पार्क का पूरी तरह जीर्णोद्धार करने का फैसला किया है और इस दिशा में काम शुरू हो गया है। उन्होंने कहा, ‘बागवानी शाखा पार्क को नया रूप देने के लिए हरी-भरी घास और रंग-बिरंगे मौसमी फूल लगा रही है, जबकि इंजीनियरिंग टीम रात में रोशनी की व्यवस्था करने के साथ बैच और बचो के झूले लगाएगी, ताकि इसे परिवारों के लिए अधिक सुविधाजनक बनाया जा सके।’



से अधिक घंसे रहे हैं, जिसके कारण सरकार को शहर को स्थानांतरित करने की योजना बनानी पड़ी है। चीन के टीथी शहर तियानजिन में करीब 1.5 करोड़ लोग रहते हैं। यदि वहां जमीन के घंसेन की रफ्तार इसी तरह जारी रही तो 2120 तक शहर की 15 प्रतिशत आबादी पानी की चपेट में आ सकती है। सैन डियगो से लेकर ईरान के प्रमुख शहरों तक कई जगह ऐसी ही स्थिति है, जहां भूकंप का दौरेन उसके प्राकृतिक रूप से दोबारा पेशे की क्षमता से अधिक हो रहा है।

अम्बिकापुर, 04 अक्टूबर, रविवार 2026

4

प्रतिशत था। गौरतलब है कि देश पर सम्मिलित कर्ज आकलित करने के लिए केंद्र और राज्यों के आपसी लेनदेन को समायोजित किया गया है।

2024-25 में यह कर्ज बढ़कर जीडीपी के 81.9 प्रतिशत तक पहुंच गया। जहां केंद्र सरकार का कर्ज 48.8 प्रतिशत से बढ़कर 57.5 प्रतिशत तक पहुंचा, राज्य सरकारों पर कर्ज 23.5 प्रतिशत से बढ़ता हुआ 28.5 प्रतिशत तक पहुंच गया। जिन राज्यों द्वारा मुफ्त खोरी की योजनाओं को ज्यादा अपनाया गया है, उन राज्यों का कर्ज राष्ट्रीय औसत से कहीं अधिक है। 2024—25 में, कई राज्यों पर उनके जीएसडीपी (राज्य की जीडीपी) के मुकाबले काफी ज्यादा कर्ज था। पंजाब में यह 47.3 प्रतिशत, हिमाचल प्रदेश में 44.0 प्रतिशत, पश्चिम बंगाल में 38.0 प्रतिशत, केरल में 37.0 प्रतिशत, राजस्थान में 36.0 प्रतिशत और आंध्र प्रदेश में 34.7 प्रतिशत। कर्ज का इतना ज्यादा बोझ राजकोपीय गुंजाइश को सीमित करता है, ब्याज का बोझ बढ़ाता है और उत्पादक सार्वजनिक निवेश को रोक सकता है। आमदनी से ज्यादा खर्च और तदनुसार घाटे के बजटों ने देश पर कर्ज बढ़ाया ही है, लेकिन हाल ही में मुफ्तखोरी की योजनाओं के चलते यह गति और तेजी से बढ़ी है। गौरतलब है कि 2010-11 और 2018-19 के बीच देश पर कुल कर्ज 63.6 प्रतिशत से मामूली सा बढ़कर 66.5 प्रतिशत तक ही हुआ था। लेकिन पिछले मात्र 6 वर्षों में यह 2024-25 तक बढ़कर जीडीपी के 81.9 प्रतिशत तक पहुंच जाना वास्तव में चिंता का विषय है। यह भी सही है कि केंद्र सरकार की देनदारी में बड़ी वृद्धि करोीना काल में हुई थी, जब 2019-20 और 2020-21 के दौरान केंद्र सरकार को देनदारियां जीडीपी के 62.9 प्रतिशत और राज्य सरकारों की देनदारियां 31.1 प्रतिशत तक पहुंच गई और दोनों की सम्मिलित देनदारियां 88.7 प्रतिशत तक पहुंच गईं। हालांकि उसके बाद सम्मिलित लेनदारिया 81.9 प्रतिशत तक घट गई है, जिनमें केंद्र की देनदारियां 57.1 प्रतिशत हैं और राज्यों पर अभी भी ये 28.5 प्रतिशत बनी हुई हैं। ध्यातव्य है कि लेकिन अभी भी यह 2010-11 के 65.6 प्रतिशत से कहीं अधिक हैं।

समझा जा सकता है कि कहीं न कहीं मुफ्तखोरी की स्कीमों के कारण राज्यों पर कर्ज का बोझ बढ़ रहा है, जिस के चलते देश पर कुल कर्ज का बोझ बढ़ा है। दुनिया में प्रजातंत्र का मजका बना रही ये मुफ्तखोरी योजनाएं, देशों की बर्बादी की कहानी लिख रही हैं। इस संबंध में जनता से ही सशक्त आवाज उठाने की जरूरत है, ताकि दुनिया को आर्थिक बर्बादी से बचाया जा सके।

(लेखक पूर्व फ़्रीकर, दिल्ली हैं। वे हैं उनके अपने विचार हैं।)

गरीब विद्वान व राजा भोज बने भाई-भाई

कई वर्ष पहले धार में राजा भोज का शासन था। उस राज्य में एक गरीब विद्वान रहता था। आर्थिक तंगी से घबराकर एक दिन विद्वान की पत्नी ने उससे कहा-आप राजा भोज के पास क्यों नहीं जाते? वह विद्वानों का बड़ा आदर करते हैं। हो सकता है आपकी विद्वता से प्रभावित होकर वह आपको ढेर सारा धन दे दें। विद्वान राजा के दरबार में

ट्रेंड्स

नितेश को बर्धाई

एशियन गेम्स में पुरुषों की बौक्से-रोमन 97 किलो कैटेगरी में सिल्वर मेडल जीतने पर न्द्रीश को बर्धाई। भारत के 64 साल के इतजार को खत्म करते हुए, नितेश ने गेम्स के लिए एक अलग उपलब्धि हासिल की है।
- योगी आदित्यनाथ, सीएम, उत्तरप्रदेश

सामाजिक न्याय

नोटों की सामाजिक न्याय और समानता के दृष्टिकोण है। उनका पूरा सिस्टम शिक्षा से नापरत करता है क्योंकि वे नहीं चाहते कि छात्र सीधे या सवाल पूछें। एक ट्यूटोर में, बर्बालादेव अवेडकर की "पॉलिडिलेशन ऑफ़ कास्ट" (जाति का विनाश) जैसी जरूरी किताब के बारे में कहा गया कि वे युवाओं के दिमाग में "जहर" घोलती है।
-राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

सम्मान और दाम

हरियाली सिर्फ सुश्रुतावादी की दिशांनी नहीं होती चाहिए, बल्कि यह हर घर-आंगन में फैलनी-फूलनी चाहिए और यह तभी मुम्किन होगा जब किसानों, श्रैती, बाम्नीयो को उनकी मेहनत का सम्मान और दाम, दोनों मिले।
-अश्विनेश यादव, सांसद, सपा

एआई निष्पक्ष नहीं

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक ऐसी ताकत है जो बहुत बड़े पैमाने पर बढावा ला रही है और क़ैरी नज़र में, करण भी कुछ ऐसी ही है। एआई क़ायी नै निष्पक्ष नहीं होता, यह हमारी कमियों, पूर्वाग्रहों और इरादों को आपनाकर उन्हें कई गुना बढा देता है।
-कैलाश सरावगी, नैशनल थॉर्ति प्रुकरर डिजैता



प्रधानमंत्री ने गांधी और शास्त्री की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी

एजेसी ॥ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी और कहा कि सादगी, साहस और राष्ट्रसेवा से भरे उनके जीवन की गाथाएं पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेंगी। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपिता के स्मारक राजघाट और शास्त्री के स्मारक विजय घाट जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि उनके आदर्श और भारत की प्रगति के प्रति अटूट प्रतिबद्धता देश के प्रत्येक व्यक्ति के लिए हमेशा



पथप्रदर्शक बनी रहेंगी। इससे पहले प्रधानमंत्री ने कहा कि गांधी का शाश्वत संदेश सभी को बेहतर समाज और विकसित भारत की दिशा में मार्गदर्शन देता रहेगा। उन्होंने कहा कि बापू का पूरा जीवन सत्य, अहिंसा, करुणा और सेवा का प्रकाश स्तंभ रहा और यह हर युग में मानवता का मार्गदर्शन करता रहेगा।

राजघाट और शास्त्री के स्मारक विजय घाट गए

पीएम मोदी, सोनिया और राहुल ने एक दूसरे को जोड़े हाथ, खरगो से की बात



सियासी हमलों के बीच शुक्रवार को संसद भवन से दिलचस्प वीडियो सामने आया। गांधी और शास्त्री की जयंती पर श्रद्धांजलि देने के मौके पर प्रधानमंत्री, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी एक साथ दिखे। सभी ने एक दूसरे को हाथ जोड़े। इस दौरान खरगे और पीएम मोदी बातचीत भी करते दिखे। पीएम मोदी के साथ स्पीकर ओम बिरला, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू भी थे।

सेवाग्राम आश्रम में सर्वधर्म प्रार्थना की

वर्धा। महाराष्ट्र के वर्धा स्थित प्रतिष्ठित सेवाग्राम आश्रम में गांधी की जयंती मनाई गई। सर्वधर्म प्रार्थना और विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। समारोह की शुरुआत भक्ति गीतों के साथ आश्रम परिसर में नई तालीम से बापू कुटी तक निकाली गई शोभायात्रा से हुई। सुबह बापू कुटी में सर्वधर्म प्रार्थना आयोजित की गई और 'सूक्त यज्ञ' के माध्यम से गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

रचनात्मक कांग्रेस करेगी विविधता को संरक्षित

कांग्रेस के प्रकोष्ठ 'रचनात्मक कांग्रेस' ने इस अवसर पर भारत की विविधता को संरक्षित करने और स्वतंत्रता संग्राम तथा संविधान के मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध रहने का संकल्प लिया। संगठन ने कहा कि यह संकल्प गांधी के मूल्यों के साथ विरासत और उन संवैधानिक मूल्यों को समाहित करता है, जो देश की नींव हैं। रचनात्मक कांग्रेस ने कहा कि भारत की समृद्ध विविधता उसकी पहचान है।



गुरुग्राम में 'स्वच्छता ही सेवा 2026' के तहत सफाई अभियान शुरू

गुरुग्राम। गुरुग्राम में गांधी जयंती पर 'स्वच्छता ही सेवा 2026' और 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत कचरे के लिए संवेदनशील स्थलों (जीवीपी) को कचरा मुक्त बनाने के अभियान की शुरुआत की गई।

खबर संक्षेप

अमरावती में भीषण टक्कर, 7 की मौत

अमरावती। महाराष्ट्र के अमरावती में समुद्रि हाईवे पर गुरुवार को एक ट्रक और टैपो पिकअप के बीच टक्कर हो गई। इसमें 7 लोगों की मौत हो गई और 19 दूसरे घायल हो गए। यह हादसा धामनगांव रेलवे स्टेशन के पास हुआ। टैपो में श्रद्धालु सवार थे जो राज्य के बुलढाणा में मौजूद मशहूर तीर्थस्थल शेंगांव से दुर्गा प्रतिमा लेकर वर्धा जा रहे थे, तभी ट्रक से टक्कर हुई।

न्यायालय नजूल अधिकारी, अबिकापुर जिला-सरगुजा रा०प्र०क्र०/3/-20 (3)/2025-26 ईशतहार एतद् द्वारा सव साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कबीता जैन पत्नी दिनेश कुमार जैन, जाति जैन, निवासी एम०जी० रोड अभिकापुर, तहसील अभिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के द्वारा शीट नम्बर-03, मोहल्ला-ब्रम्ह रोड, नगर अभिकापुर स्थित नजूल प्लॉट नम्बर

857/7 रकबा 700 वर्गफीट भूमि को बैंक में बंधक रखने की अनापति प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र मय मेन्टेन्स खसरा की प्रति सहित पेश किया गया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 09.10.2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक:- 25/09/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय पदमुद्रा से जारी। नजूल अधिकारी अभिकापुर

न्यायालय कलेक्टर, जिला-सरगुजा (अबिकापुर) छत्तीसगढ़

रा.प्र.क्र. 89/अ/-27/2025-2026 ईशतहार / सूचना पत्र अपीलाधीन जमीन आ० ख० तेजराज एवं अन्य 01 निवासी ग्राम, लिपिणी पोस्ट कुन्नी तहसील लखनपुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.) द्वारा न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) उदयपुर लिंक कोर्ट लखनपुर के रा.प्र.क्र. 202203022200051/ अ-27/2024-2025 में पारित आदेश दिनांक 16/07/2025 के विरुद्ध छ.ग. भू.राजस्व संहिता 1959 की धारा 44 (1) के तहत इस न्यायालय में द्वितीय अपील प्रस्तुत किया गया है। वर्तमान में उक्त प्रकरण उत्तरवादीगण (1) गंगा बाई पति महेश राम, निवासी ग्राम अंधला पोस्ट व तहसील लखनपुर, जिला-सरगुजा (छ०ग०) (2) मनियारो पति ख० तेजराज, निवासी ग्राम लिपिणी पोस्ट कुन्नी तहसील लखनपुर, जिला-सरगुजा (छ०ग०) के इस न्यायालय में उपस्थित के लिये प्रकरण दिनांक 22/10/2026 को निव्यत है।

अतः सभी उत्तरवादीगण को सूचित किया जाता है कि वे स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से नियत तिथि दिनांक 22/10/2026 को इस न्यायालय में दिन के 02-30 बजे अनिवार्य रूप से उपस्थित होंगे। नियत तिथि एवं समय पर उपस्थित नहीं होने पर उत्तरवादीगण के विरुद्ध प्रकरण में एकपक्षीय कार्यवाही कर अग्रिम कार्यवाही किया जाएगा।

आज दिनांक 18/09/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी। प्रभाती अधिकारी कलेक्टर वाचक शाखा

सादगी, साहस और राष्ट्रसेवा से भरे उनके जीवन की गाथाएं पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेंगी, प्रत्येक व्यक्ति के लिए हमेशा पथप्रदर्शक बनी रहेंगी

सुप्रीम कोर्ट ने बिहार सरकार को अवैध ढांचों, अतिक्रमण को हटाने को कहा

बिहार सरकार को फटकार लगाई और कहा अब समय नहीं देगे



एजेसी ॥ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने बिहार सरकार को पटना में नौजर घाट से नूरपुर घाट के बीच गंगा के बाढ़ क्षेत्र में बने सभी अवैध ढांचों और अतिक्रमण को हटाने के लिए आठ सप्ताह का समय दिया है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि 21 जुलाई को शीर्ष अदालत ने राज्य को 6 सप्ताह का समय दिया था, ताकि नौजर घाट से नूरपुर घाट के बीच गंगा के बाढ़ क्षेत्र में मौजूद अवैध निर्माण और अतिक्रमण को हटाया जा सके। 28 सितंबर को बिहार के महाधिवक्ता एसडी संजय ने पीठ को बताया कि शीर्ष

आखिरी बार 8 सप्ताह का समय दे रहे वरना करेंगे अब अवमानना की कार्रवाई

कोर्ट ने कहा कि अगर निर्देशों का पालन नहीं हुआ, तो हमें बिहार के मुख्य सचिव और अन्य अधिकारियों को तलब करेंगे और अवमानना की कार्रवाई हो सकती है। नौजर घाट से नूरपुर घाट के बीच गंगा के बाढ़ क्षेत्र में कार्रवाई

हस्तक्षेप करने पर देने होंगे स्वामित्व के दस्तावेज

अदालत ने साफ किया कि अगर कोई हस्तक्षेपकर्ता अभ्यावेदन देता है, तो उसे भूमि के स्वामित्व से जुड़े सभी दस्तावेज, निर्माण की स्वीकृति और अन्य आवश्यक अनुमतिगत संलग्न करनी होंगी। कोर्ट ने अवैध निर्माण को गंभीर चिंता का विषय बताया था और 6 सप्ताह में नौजर से नूरपुर घाट तक के बीच सभी अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया था।

एनजीटी के आदेश के खिलाफ याचिका दी

पीठ ने कहा कि अगली सुनवाई पर हम अतिक्रमण हटाने को लेकर पूर्ण अनुपालन रिपोर्ट चाहते हैं। इसके बाद कोई और समय नहीं दिया जाएगा। शीर्ष अदालत राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के जून 2020 के उस आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें पर्यावरणीय रूप से संवेदनशील बाढ़ क्षेत्र में अवैध निर्माण और स्थायी अतिक्रमण के खिलाफ दायर याचिका खारिज कर दी गई थी। 28 सितंबर के आदेश में पीठ ने यह भी कहा कि मामले में कुछ हस्तक्षेप याचिकाएं दाखिल की गई हैं, जिनमें दावा किया गया है कि निर्माण उनकी निजी जमीन पर है और वह बाढ़ क्षेत्र में नहीं आता। पीठ ने कहा कि ऐसे हस्तक्षेपकर्ता सक्षम प्राधिकारी के समक्ष आवेदन दे सकते हैं।



अदालत के निर्देशों का आंशिक पालन हुआ है। हालांकि उन्होंने कहा कि नेपाल में आई हालिया प्राकृतिक आपदा के कारण गंगा नदी का जलस्तर बढ़ गया, जिससे यह पूरा इलाका जलमग्न हो गया और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई आगे बढ़ाना मुश्किल हो गया। इस पर पीठ ने नाराजगी जताते हुए कहा कि हम अंतिम बार 8 सप्ताह का समय देते हैं। अगर निर्देशों का पालन नहीं हुआ, तो हमें बिहार के मुख्य सचिव और अन्य अधिकारियों को तलब करेंगे और अवमानना की कार्रवाई हो सकती है।

न्यायालय ने कर्नाटक के केपीएससी भर्ती अनियमितता पर कहा

एसआईटी के गठन, नए सिरे से जांच पर रोक लगाई, 12 अक्टूबर तक जवाब दें

उच्चतम न्यायालय ने कर्नाटक लोक सेवा आयोग (केपीएससी) की पशु चिकित्सा अधिकारी भर्ती में कथित अनियमितताओं की नए सिरे से जांच करने और एसआईटी गठित करने के कर्नाटक उच्च न्यायालय के निर्देश पर रोक लगा दी है। न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा और न्यायमूर्ति विजय विश्वाजी की पीठ ने नोटिस जारी किया है। सरकार ने उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती दी है। कोर्ट ने 12 अक्टूबर तक राज्य सरकार से जवाब मांगा है।



एसआईटी में आपत्ति हो तो हलफनामा दाखिल करें

राज्य सरकार को निर्देश दिया कि वह एसआईटी में नियुक्त अधिकारियों पर यदि कोई आपत्ति हो तो उसका उल्लेख करते हुए अतिरिक्त हलफनामा सीलबंद लिफाफे में दाखिल करे। राज्य सरकार जांच टीम के लिए वैकल्पिक नाम भी सुझा सकती है।

हाईकोर्ट ने एसआईटी गठन का दिया था आदेश

उच्च न्यायालय ने पशु चिकित्सा की भर्ती में केपीएससी की जांच के लिए एसआईटी गठित करने का आदेश दिया था। कोर्ट ने कुमार की अध्यक्षता में एसआईटी गठित करने और सीआईडी तथा संबंधित क्षेत्र के पुलिस थाने के पास मौजूद साक्ष्य एसआईटी को सौंपने का निर्देश दिया था।

राहुल से मिल वडिंग का छलका दर्द साढ़े चार साल मैंने काम किया अब मुझे आराम करना चाहिए

एजेसी ॥ नई दिल्ली

पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने शुक्रवार को दिल्ली में नेता विपक्ष राहुल गांधी से मुलाकात की। वे भावुक हो गए। अमरिंदर ने कांग्रेस हाईकमान को अपना इस्तीफा भी सौंप दिया। वडिंग ने उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट के वाग्य में बदवाल किया था और खुद को पंजाब प्रदेश कांग्रेस का पूर्व अध्यक्ष बताया था। इस दौरान अपने काम को गिनाया।



मुझे थोड़ी देर के लिए छुट्टी लेनी चाहिए

अमरिंदर ने पत्रकारों से बातचीत में कहा साढ़े चार साल मैंने काम किया है, मुझे लगता है कि कुछ वक्त आराम भी करना चाहिए। वडिंग ने कहा कि वह इस बात का फैसला कैसे कर सकते हैं कि आगे उनका क्या रोल होगा? लुधियाना से सांसद ने कहा कि मुझे लगता है कि मुझे थोड़ी देर के लिए छुट्टी ले लेनी चाहिए।

भाजपा का 'पीसी' कार्यालय पर धरना अवमानना पर सीएम डीके पर एफआईआर दर्ज हो, अरेस्ट करें

एजेसी ॥ बेंगलुरु

कर्नाटक में भाजपा ने बेंगलुरु पुलिस आयुक्त कार्यालय की सीढ़ियों पर धरना देकर सीएम डीके शिवकुमार और कैबिनेट के खिलाफ प्रार्थमिकी दर्ज करने की मांग की और आरोप लगाया कि उन्होंने मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय के सामने प्रदर्शन कर कोर्ट के आदेश का उल्लंघन किया है। प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र, विपक्ष के नेता आर अशोक भी थे।



हाईकोर्ट की अवमानना की

शिवकुमार ने सहयोगियों के साथ सीईओ कार्यालय के बाहर धरना दिया था। एसआईआर के दौरान फॉर्म-7 के कथित दुरुपयोग की जांच और इस संबंध में प्रार्थमिकी दर्ज करने की मांग की थी। भाजपा ने आरोप लगाया कि शिवकुमार ने अधिकारी के यहां प्रदर्शन कर कर्नाटक उच्च न्यायालय के आदेश का उल्लंघन किया।

कोलकाता में जिला उपभोक्ता आयोग का ऐतिहासिक फैसला

बिना सबूत खारिज करना सेवा में कमी

बीमा कंपनी ने खारिज किया क्लेम अब चुकाने होंगे 1 करोड़ रुपए

एजेसी ॥ कोलकाता



99.41 लाख के साथ 50 हजार रुपए मुआवजा और 10 हजार रुपए कानूनी खर्च का देने को कहा। मामले पर आयोग का कहना है कि क्लेम को बिना किसी सबूत के खारिज करना कंपनी की सेवा में कमी है।

सदैव प्रासंगिक रहेंगे बापू और शास्त्री जी के विचार : गोष्ठी में वक्ताओं ने किया आह्वान

सोनभद्र। ईश्वर प्रसाद स्नातकोत्तर महाविद्यालय एवं ईश्वर प्रसाद लॉ कॉलेज, देवरा राजा, पसही में शुक्रवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 157वीं और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की 122वीं जयंती संयुक्त रूप से श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित संगोष्ठी में वक्ताओं ने कहा कि बापू और शास्त्री जी के विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने उनके समय में थे। विशेषकर जैन-जी और जैन-अल्फा पीढ़ी को उनके जीवन-मूल्यों से प्रेरणा लेने की आवश्यकता है।

इंडिया फस्ट लाइफ इंश्योरेंस का मामला

यह मामला इंडियाफस्ट लाइफ इंश्योरेंस से जुड़ा है। एक महिला ने 1 करोड़ की टर्म इंश्योरेंस पॉलिसी ली थी।

छत्तीसगढ़ राजपत्र, दिनांक 15 जनवरी 2020

प्राप्रूप (तीन) शपथपत्र का प्राप्रूप मैं शिवरतन (पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) सुपुत्र/सुपुत्री/पत्नी अमृतसाय नाग निवासी गाला, तहसील-पथलगांव जिला जशपुर (छ.ग.) 496118 ग्राम झक्कड़पुर, पोस्ट एतद् द्वारा मैं पूर्णतः पुष्टि करता हूँ तथा निम्नानुसार घोषित करता हूँ.. मैं शहर/गाँव झक्कड़पुर, पोस्ट छत्तीसगढ़ का स्थायी निवासी हूँ। गाला तहसील-पथलगांव, जिला जशपुर मेरा पुराना नाम शिवरतन है और मैं अपना नाम बदलकर सुरतन नाग (नया नाम) करवाना चाहता/चाहती हूँ। मेरे पुराने नाम से किसी भी न्यायालय में कोई भी प्रकरण लंबित नहीं है और न ही किसी बैंक में ऋण की राशि शेप है मैं नाम बदलकर, यदि कोई, गैर कानूनी काम करता/करती हूँ, तो उसके लिए मैं पूर्णतः स्वयं जिम्मेदार रहूँगा/रहूँगी। मैं यह शपथ पत्र अपने पूरे होशोहवास में रहकर हस्ताक्षर कर रहा हूँ। रही हूँ तथा सक्षम प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर रहा हूँ/रही हूँ।

अनंत ने किया 1 लाख करोड़ रुपए के निवेश का ऐलान मुझे आंध का बेटा मानिए और आप आदेश दीजिए

एजेसी ॥ हैदराबाद

आंध्र प्रदेश के मदनपल्ले में गांधी जयंती पर कृषि क्षेत्र को नई दिशा देने की शुरुआत हुई। सीएम एन चंद्रबाबू नायडू और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इंडियन स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर का शिला-न्यास किया। इस मंच पर मौजूद रिलायंस इंडस्ट्रीज के एजीक्यूटिव डायरेक्टर अनंत अंबानी को नायडू ने आंध्र का लाडला बेटा बताया। अनंत ने भी खुद को इस माटी का बेटा बताते हुए राज्य में 1 लाख करोड़ के निवेश की घोषणा की। यह निवेश कंप्रेस्ड बायोगैस प्रोजेक्ट्स में लगाया जाएगा। इस मौके पर रायलसीमा हॉर्टिकल्चर हब की नींव भी रखी। इस पूरे प्रोजेक्ट से राज्य के किसानों की आय में इजाफा होगा।



किसानों को नई तकनीक से जोड़ेंगे

अनंत का खास परिचय कराया

नायडू ने अनंत का खास अंदाज में परिचय कराया। उन्होंने कहा कि अनंत एक युवा उद्योगपति नहीं हैं, बल्कि वे आंध्र के लाडले बेटे हैं। अनंत ने कहा कि आप मुझे आंध्र का बेटा मानिए और आदेश दीजिए कि मैं आपके राज्य के लिए क्या कर सकता हूँ?

अनंत ने किसानों को नई तकनीक से जोड़ने की बात कही। उन्होंने याद दिलाया कि 25 साल पहले चनायड़ हैदराबाद में इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस लेकर आए थे। अब वे किसानों के लिए इंडियन स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर शुरू कर रहे हैं। अब यह संस्थान किसानों को उसके खेत का सीईओ बनाएगा। यहां ड्रोन, रोबोटिक्स की जानकारी मिलेगी।

किसान अब ऊर्जा के दाता भी बनेंगे

रिलायंस इस संस्थान के साथ मिलकर 4 बड़े स्तरों पर काम करेगा। गांवों में वचुआ कलासरूम बनाकर किसानों को आधुनिक खेती सिखाई जाएगी। जियो कृषि के जरिए नई तकनीक सीधे खेतों तक पहुंचेगी। वनतारा पशु चिकित्सा विवि के अनुभव से पशुपालन को बढ़ावा दिया जाएगा। कंप्रेस्ड बायोगैस प्रोजेक्ट्स से राज्य में 3 लाख नौकरियां निकलेंगी।

विष्णुदेव साय के नेतृत्व में उद्योग क्रांति की राह पर छत्तीसगढ़-अमित चिमनानी

करीब 8 लाख करोड़ के निवेश के लिए 280 एमओयू, 1.6 लाख से अधिक रोजगार के अवसर सृजन का दावा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ औद्योगिक विकास और वैश्विक निवेश के नक्शे पर तेजी से उभर रहा है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अमित चिमनानी ने शुक्रवार को एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में प्रेस वार्ता कर सरकार की औद्योगिक उपलब्धियों का ब्यौरा दिया। चिमनानी ने कहा कि राज्य सरकार की नई औद्योगिक नीति और ईज ऑफ़ डूइंग बिजनेस के चलते छत्तीसगढ़ आज देशी-विदेशी निवेशकों के लिए पहली पसंद बनता जा रहा है।

8 लाख करोड़ के 280 एमओयू, 55% को जमीन मिली

भाजपा प्रवक्ता ने बताया कि अब तक राज्य में करीब 8 लाख करोड़ रुपये के निवेश के लिए 280 बड़ी परियोजनाओं के एमओयू साइन किए जा चुके हैं। इनमें से लगभग 55 प्रतिशत परियोजनाओं को जमीन आवंटन की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है या तेजी से प्रगति पर है। उन्होंने दावा किया कि जब ये सभी 280 परियोजनाएं धरातल पर पूरी तरह स्थापित हो जाएंगी, तो प्रदेश में 1.6 लाख से अधिक प्रत्यक्ष

और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होंगे। जिन इकाइयों में निर्माण और उत्पादन शुरू हो चुका है, वहां स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता से रोजगार दिया जा रहा है।

9,800 से अधिक इकाइयों को 1594 करोड़ की सब्सिडी

चिमनानी ने बताया कि 2023 से 2026 के बीच औद्योगिक नीति के तहत 6,310 औद्योगिक इकाइयों को 1,594.97 करोड़ रुपये की पूंजीगत और ब्याज सब्सिडी दी गई है। इसके अलावा 3,503 इकाइयों को स्टार्टअप शुल्क और विद्युत शुल्क



में विशेष छूट का लाभ मिला है। इस

तरह कुल 9,813 औद्योगिक इकाइयों को सरकार के वित्तीय

प्रोत्साहन का सीधा फायदा पहुंचा है।

सिंगापुर-जापान से आएगा बड़ा निवेश

प्रेस वार्ता में मुख्यमंत्री के विदेश दौरे का भी जिक्र किया गया। चिमनानी ने कहा कि भारत सरकार के विदेश मंत्रालय ने सिंग फोरम 2026 के लिए पूरे देश से सिर्फ दो राज्यों छत्तीसगढ़ और हरियाणा का चयन किया है। सीएम साय इस समय सिंगापुर दौरे पर हैं, जहां वे सीईओ राउंडटेबल में ऑटोमोबाइल, फार्मास्यूटिकल्स और फूड प्रोसेसिंग जैसे सेक्टर में निवेश के लिए वैश्विक निवेशकों से चर्चा कर रहे हैं। इससे पहले जापान दौरे के बाद जापान एक्सटर्नल ट्रेड

ऑर्गनाइजेशन (जेट्रो) की टीम ने छत्तीसगढ़ का दौरा कर नवा रायपुर में बन रहे इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर, फार्मा पार्क, रेडीमेड गारमेंट्स पार्क और टेक्सटाइल पार्क का निरीक्षण किया था। जापानी निवेशकों के साथ लगातार वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संवाद जारी है। चिमनानी ने कहा, 'हमारा लक्ष्य सिर्फ फैक्ट्री लगाना नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ को आत्मनिर्भर और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी विनिर्माण हब बनाना है, जिसका सीधा लाभ हमारे युवाओं और किसानों को मिले।' इस दौरान भाजपा प्रदेश मीडिया सह-संयोजक राहुल राय और मीडिया पैरालिस्ट निशिकांत पांडे भी मौजूद रहे।

एशिया कप विजेता गीता यादव से मिले डिप्टी सीएम विजय शर्मा

कहा-कवर्धा की बेटी ने बढ़ाया देश-प्रदेश का मान

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। जूनियर महिला एशिया कप-2026 की विजेता भारतीय हॉकी टीम की सदस्य और कवर्धा की बेटी गीता यादव से उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने मुलाकात कर बधाई दी। कवर्धा निवास कार्यालय में हुई इस मुलाकात में उपमुख्यमंत्री ने गीता को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश और प्रदेश का मान बढ़ाया है। उपमुख्यमंत्री ने गीता से उनकी खेल यात्रा, अंतरराष्ट्रीय अनुभव, प्रशिक्षण और भविष्य के लक्ष्यों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि एक सामान्य किसान परिवार से निकलकर देश का प्रतिनिधित्व करना कड़ी मेहनत और अनुशासन का परिणाम है। गीता



की सफलता क्षेत्र की नई पीढ़ी, खासकर खेल में आगे बढ़ने का सपना देख रही बेटियों के लिए प्रेरणा है।

बोड़ला से एशिया कप तक का सफर

कबीरधाम जिले के बोड़ला

की रहने वाली गीता ने चीन के मोकी में आयोजित अल्ट्रा महािला जूनियर एशिया कप-2026 में भारत का प्रतिनिधित्व किया। 13 सितंबर को खेले गए फाइनल में भारत ने मेजबान चीन को 1-0 से हराकर लगातार तीसरी बार खिताब जीता और ऋकट जूनियर

महिला विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया। टूर्नामेंट में मिडफील्डर के तौर पर खेलते हुए गीता ने 4 गोल दागे। मलेशिया के खिलाफ 11-1 और जापान के खिलाफ 7-0 की जीत में उन्होंने 2-2 गोल कर अहम भूमिका निभाई। गीता ने हॉकी की शुरूआती ट्रेनिंग कोच शिवा चौहान से ली, फिर बिलासपुर स्थित खेलो इंडिया स्टेट सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस में अपने खेल को निखारा। 2024 में नीदरलैंड-बेल्जियम दौरे से अंतरराष्ट्रीय करियर शुरू करने वाली गीता अर्जेंटीना और इंग्लैंड-स्काटलैंड दौरे में भी टीम इंडिया का हिस्सा रह चुकी हैं और टारगेट ओलंपिक गोडियम स्कीम से जुड़ी हैं। मुलाकात के दौरान कवर्धा में खेल सुविधाओं के विस्तार, स्थानीय प्रतिभाओं को बेहतर प्रशिक्षण और खिलाड़ियों के प्रोत्साहन को लेकर भी चर्चा हुई।

दीपावली से पहले कोरबा में दौड़ेंगी 40 ई-बसें, दर्री में 1.54 करोड़ का चार्जिंग स्टेशन तैयार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

कोरबा। शहर की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था अब आधुनिक और प्रदूषण मुक्त होने जा रही है। केन्द्र सरकार से स्वीकृत 40 ई-बसों के संचालन की तैयारियां अंतिम चरण में हैं और दीपावली से पहले बसें सड़कों पर दौड़ने लगेंगी। इसके लिए दर्री स्थित प्रतीक्षा बस स्टैंड में 1.54 करोड़ की लागत से बना चार्जिंग सब-स्टेशन लगभग तैयार हो चुका है।

20 बड़ी, 20 मिनटी ई-बसें चलेंगी

नगर निगम की योजना के

अनुसार 20 नौ मीटर लंबी बड़ी ई-बसें मुख्य मार्गों पर चलेंगी, जबकि 20 सात मीटर लंबी ई-मिनी बसें कॉलोनियों और संकरी सड़कों पर संचालित होंगी। इससे रविशंकर शुक्ल नगर, आरपी नगर, एमपी नगर, टीपी नगर जैसे भीतरी इलाकों तक बस सुविधा पहुंचेगी। इसका सीधा लाभ स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को मिलेगा। ये बसें निगम क्षेत्र के साथ ही बांकीमोंगरा, दीपका, बालको और हरदीबाजार जैसे उपनगरीय क्षेत्रों को भी जोड़ेंगी। पीएम स्कूल, पीजी कॉलेज, कमला नेहरू, मिनीमाता महाविद्यालय, मेडिकल कॉलेज और रेलवे स्टेशन को रूट



में विशेष प्राथमिकता दी गई है।

प्रत्येक बस एक बार फुल चार्ज

होने पर करीब 200 किमी और प्रतिदिन लगभग 400 किमी तक संचालित होगी।

पुरानी 48 बसों की नीलामी अटकी

इधर ई-बसों के लिए जगह बनाने हेतु दर्री बस स्टैंड में खड़ी 48 पुरानी सिटी बसों की नीलामी का निर्णय दो माह पहले ही हो चुका है। ईएंडएम विभाग ने दर भी तय कर दी है, लेकिन शासन से अनुमति नहीं मिलने से प्रक्रिया अटकी है। अधिकारियों का कहना है कि समय पर नीलामी न होने से बसों की कीमत और घट जाएगी और नई ई-बसों को खड़ा करने में

दिककत होगी।

प्रदूषण घटेगा, जेब भी बचेगी

निगम अधिकारियों के अनुसार ई-बसों के रखरखाव के लिए वर्कशॉप और प्रशासनिक भवन का काम भी अंतिम चरण में है। नई सेवा शुरू होने से विद्यार्थियों, कर्मचारियों और आम नागरिकों को सुरक्षित, सस्ती यात्रा मिलेगी। डीजल की खपत घटेगी और वायु प्रदूषण में कमी आएगी। भविष्य में इसी चार्जिंग स्टेशन पर अन्य इलेक्ट्रिक फोर-व्हीलर भी चार्ज हो सकेंगे।

नाट्य मंचन के जरिए सरकार की उपलब्धियों और नीतियों का किया प्रचार

रेणुकूट। पिंपरी नगर पंचायत स्थित कल्याण मंडप में शुक्रवार को सरकार की नीतियों एवं उपलब्धियों के प्रचार-प्रसार के लिए लखनऊ से आए कलाकारों ने नाट्य मंचन प्रस्तुत किया। कलाकारों ने विभिन्न घटनाओं और समसामयिक मुद्दों को नाटक के माध्यम से प्रस्तुत करते हुए लोगों को सरकार की ओर से किए गए कार्यों की जानकारी दी। नाट्य मंचन के दौरान पहलूगाम आतंकी हमला और उसके बाद चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर सहित विभिन्न राष्ट्रीय मुद्दों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। कलाकारों ने अभिनय और संवादों के माध्यम से देश की सुरक्षा, आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई तथा सरकार की नीतियों और उपलब्धियों को लोगों तक पहुंचाने का प्रयास किया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने कलाकारों की प्रस्तुतियों में रुचि दिखाई। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष हरिराम शाह ने कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं नाट्य मंचन के माध्यम से सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को आम लोगों तक सरल एवं प्रभावी तरीके से पहुंचाया जा सकता है। प्रांतीय परिषद सदस्य राकेश पांडेय तथा विधानसभा संयोजक प्रभाशंकर मिश्रा ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए सरकार की विभिन्न योजनाओं एवं कार्यों की जानकारी दी।

सीएएफ जवान की गोली लगने से मौत, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बीजापुर। फरसेगढ़ थाना क्षेत्र के सेंड्रा कैप में सीएएफ आरक्षक विजेंद्र ठाकुर (42) की गोली लगने से मौत का मामला उलाझ गया है। पुलिस जहां इसे सर्विस इंसास राइफल से खुद को गोली मारने की घटना मान रही है, वहीं परिजनों ने इसे आत्महत्या मानने से साफ इनकार करते हुए हत्या की आशंका जताई है और निष्पक्ष जांच की मांग की है।

इयूटी के बाद मिला शव

घटना बुधवार सुबह की है। पुलिस के मुताबिक विजेंद्र की सुबह 3 से 5 बजे तक सुरक्षा इयूटी थी। इयूटी खत्म होने के बाद जब वह बैक नहीं लौटे तो साथी जवानों ने तलाश शुरू की। कैप परिसर में ही उनका शव पड़ा मिला। सीने में गोली लगी थी और पास में उनकी सर्विस इंसास राइफल पड़ी थी। सूचना पर वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।



फरसेगढ़ थाना प्रभारी आनंद शुक्ला के अनुसार विजेंद्र 75 दिन की लंबी छुट्टी के बाद 10 दिन पहले ही कैप में वापस लौटे थे और इयूटी ज्वाइन की थी।

सूरजपुर में परिजनों का हंगामा

जवान का शव जब सूरजपुर स्थित उसके गृह गांव पहुंचा तो परिजनों और ग्रामीणों ने मौत पर सवाल उठा दिए। परिजनों का कहना है कि विजेंद्र ऐसा कदम नहीं उठा सकते। उन्होंने हत्या की आशंका जताते हुए मामला की गहराई से जांच की मांग की है।

फॉरेंसिक रिपोर्ट से खुलेगा राज

परिजनों की आपत्ति के बाद अब जांच कई एंगल से होगी। पुलिस गोली चलने की परिस्थिति, सर्विस राइफल की फॉरेंसिक जांच, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और घटनास्थल के साक्ष्यों के आधार पर मौत की असली वजह तलाश रही है। साथी जवानों से भी पूछताछ की जा रही है। बता दें कि बस्तर संभाग के बीजापुर, सुकमा, दंतवाड़ा और कंकिर में पहले ही सर्विस हथियार से जवानों की मौत के मामले सामने आ चुके हैं,

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। यूथ कांग्रेस चुनाव को लेकर कांग्रेस में मंचे घमासान पर भाजयुमो ने चुटकी ली है। भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राहुल टिकरिहा ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अमरजीत भगत के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि यूथ कांग्रेस के चुनाव ने कांग्रेस की गुटबाजी और अंतर्कलह को पूरी तरह उजागर कर दिया है। टिकरिहा ने कहा कि खुद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री अमरजीत भगत चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठा रहे हैं और इसे पार्टी को मजबूत करने के बजाय कमजोर करने वाला बता रहे हैं। इससे कांग्रेस की संगठनात्मक स्थिति पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। कार्यकर्ताओं के बीच खुलेआम आरोप-प्रत्यारोप हो रहा है।

बेटे का नामांकन रद्द होने से नाराज हैं भगत
भाजयुमो अध्यक्ष ने निशाना साधते हुए कहा कि यूथ कांग्रेस



चुनाव में अमरजीत भगत के बेटे आदित्य भगत का नामांकन उग्र संबंधी नियमों के कारण रद्द हुआ है। क्या इसी वजह से भगत चुनाव प्रक्रिया से नाराज हैं और सवाल उठा रहे हैं? उन्होंने कहा कि कांग्रेस आंतरिक लोकतंत्र की बड़ी-बड़ी बातें करती है, लेकिन यूथ कांग्रेस के चुनाव ने ही इस लोकतंत्र की पोल खोल दी है। जब युवा संगठन में पद के लिए ही इतना विवाद है, तो कांग्रेस में अनुशासन और समन्वय कैसे बचेगा। टिकरिहा ने कहा कि कांग्रेस को इस विवाद को सिर्फ चुनावी प्रक्रिया तक सीमित न मानकर अपने संगठनात्मक ढांचे पर आत्ममंथन करना चाहिए। वहीं कांग्रेस ने भाजपा के इन आरोपों को राजनीतिक प्रतिक्रिया बताया है।

मेहनत और लगन से प्रतिभाओं ने बढ़ाया परिवार व समाज का गौरव- उपमुख्यमंत्री शर्मा



प्रतिभाओं का उत्साहवर्धन कर मेहनत और लगन से आगे बढ़ने का किया प्रेरित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। उपमुख्यमंत्री एवं कबीरधाम जिले के ग्राम जिंदा में कौशिक समाज द्वारा आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने समाज की विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभाओं का सम्मान कर उनका उत्साहवर्धन किया। समारोह में शिक्षा, कला, खेल,

सामाजिक कार्य एवं अन्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने प्रतिभाओं को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं तथा उनकी उपलब्धियों की सराहना की। उपमुख्यमंत्री विजय ने कहा कि समाज की प्रतिभाएं अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा के बल पर न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे समाज का गौरव बढ़ा रही हैं। ऐसे प्रतिभावान युवाओं और विद्यार्थियों का सम्मान एवं

प्रोत्साहन उन्हें आगे बढ़ने के लिए नई ऊर्जा प्रदान करता है। उन्होंने प्रतिभाओं से निरंतर मेहनत करते हुए अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने का आह्वान किया। कार्यक्रम में कौशिक समाज के पदाधिकारी, सामाजिकजन, जनप्रतिनिधि, प्रतिभागी एवं बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे। समारोह में प्रतिभाओं के सम्मान के साथ समाज की एकजुटता और नई पीढ़ी को प्रोत्साहित करने का सकारात्मक संदेश भी दिया गया।

पत्नी को भगा ले जाने का आरोप, न्याय की गुहार लेकर एसपी दफ्तर पहुंचा पति

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन सूरजपुर। एक युवक ने अपनी पत्नी को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने का आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक कार्यालय में शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। प्रार्थी का कहना है कि स्थानीय पुलिस चौकी में सुनवाई न होने के कारण उसे न्याय की गुहार लगाने उच्चाधिकारियों की चौखट पर पहुंचना पड़ा।

पुलिस अधीक्षक को सौंपे गए आवेदन में ग्राम बांसापारा के तुलेश्वर साहू ने बताया कि उसकी पत्नी करीब एक माह पूर्व अपने मायके गई हुई थी। आरोप है कि वहां से एक संदेही व्यक्ति उसकी पत्नी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। प्रार्थी के अनुसार उनकी करीब दो वर्ष की एक मासूम बच्ची है, जो इस दौरान मायके में ही रह गई है और मां के बिना लगातार परेशान है। आवेदक ने अपने पत्र में यह भी उल्लेख किया है कि इस मामले की सूचना देने वह दो बार बसदेई चौकी गया था, परंतु वहां उसकी रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई। स्थानीय स्तर पर कोई ठोस पहल न होने से परेशान होकर उसने 28 सितंबर को पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर आवेदन सौंपा और मामले में उच्चाधिकारियों से हस्तक्षेप की गुहार लगाई।

आवेदन में संबंधित संदेही व्यक्ति का विवरण दर्ज करते हुए पुलिस प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करना, महिला का पता लगाने तथा संदेही के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई करने की मांग की है।

विकलांग एकता संघ के प्रदेश अध्यक्ष ने चौथी बार रक्तदान कर बचाई 70 वर्षीय वृद्धा की जान

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन सूरजपुर। किसी के लिए रक्त की एक बूंद महज जरूरत हो सकती है, लेकिन किसी जरूरतमंद मरीज के लिए वही बूंद जिंदगी की सबसे बड़ी उम्मीद बन जाती है। जब एक परिवार अपनी बुजुर्ग मां की जिंदगी बचाने के लिए रक्त की तलाश में परेशान था, तब मानवता के सच्चे सेवक बनकर सुमन्त प्रजापति आगे आए। उन्होंने न जाति देखी, न परिचय पूछा और न ही किसी स्वार्थ की परवाह की। बस एक इंसान की जिंदगी बचाने के संकल्प के साथ मेडिकल कॉलेज अंबिकापुर पहुंचकर चौथी बार रक्तदान किया। उनका यह सेवाभावी कदम केवल रक्तदान नहीं, बल्कि इंसानियत, संवेदना और सामाजिक जिम्मेदारी का एक भावुक संदेश बन गया।छत्तीसगढ़ विकलांग एकता संघ के प्रदेश अध्यक्ष सुमन्त प्रजापति ने ग्राम मसगा निवासी सुखराम कुहलिया की 70 वर्षीय माता विफनी बाई के लिए रक्तदान

ग्रामीण को जंगल में ले जाकर 5 हजार लूटने वाला आरोपी गिरफ्तार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन सूरजपुर। घर छोड़ने की बात कहकर मोपेड में ग्रामीण बैठकर ले जाने के दौरान लूट की वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी युवक को सीसीटीवी की मदद से

सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आदतन आरोपी तक पहुंची ओड़गी पुलिस

ओड़गी पुलिस ने धर दबोचा है। बताया गया है कि ग्राम भवरखोह के जेदू सिंह ने थाना ओड़गी में रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह 20 अगस्त को ओड़गी लोक सेवा केन्द्र में पैसा निकालने गया था। जहां से रकम निकालने के बाद बस स्टैंड ओड़गी में पानी गिरने के कारण रुका था उसी समय एक बिना नंबर के मोपेड में अज्ञात व्यक्ति गांव तक छोड़ देता हूँ बोला जिसके बाद वह उसके साथ बैठकर जाने लगा। उक्त युवक रास्ते में पालदनीली जंगल में ग्रामीण से 5 हजार रुपये

अम्बिकापुर-दुर्ग एक्सप्रेस की लेटलतीफी से यात्री बेहाल, दोपहर तक रायपुर पहुंच रहे यात्री

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन सूरजपुर। अम्बिकापुर से दुर्ग जाने वाली ट्रेन 18241 अम्बिकापुर-दुर्ग एक्सप्रेस की लगातार लेटलतीफी अब यात्रियों के लिए परेशानी का सबब बनती जा रही है। यात्रियों का कहना है कि पिछले दो-तीन माह से ट्रेन लगातार अपने निर्धारित समय से काफी विलंब से चल रही है, जिसके चलते रेल यात्रा का पूरा शेड्यूल बिगड़ गया है।

स्थिति का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि सूरजपुर रेलवे स्टेशन पर ट्रेन के पहुंचने का निर्धारित समय रात 11.10 बजे है, लेकिन बीती रात करीब 2.30 बजे तक ट्रेन सूरजपुर नहीं पहुंची। ऐसे में स्टेशन पर घंटों इंतजार कर रहे यात्रियों की परेशानी का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है। लोगो को ट्रेन का रात भर इंतजार करने के बाद भी समय पर मंजिल नहीं मिल रही है। अम्बिकापुर-दुर्ग एक्सप्रेस क्षेत्र के लिए राजधानी यात्रा की महत्वपूर्ण यात्री ट्रेन है। इसके भरोसे बड़ी संख्या में व्यापारी, छात्र, नौकरी पेशा लोग और मरीज सहित आम यात्री सफर करते हैं। ट्रेन के लगातार विलंबित होने से यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में कई घंटे अतिरिक्त लग रहे हैं। विशेषकर राजधानी रायपुर सहित आगे की यात्रा करने वाले यात्रियों की परेशानी और बढ़ गई है।

निर्धारित समय पर ट्रेन नहीं मिलने के कारण सुबह की आगे की कनेक्टिविटी प्रभावित हो रही है और यात्री दोपहर तक रायपुर पहुंचने को

मजबूर हो रहे हैं।अम्बिकापुर दुर्ग एक्सप्रेस की लगातार लेटलतीफी पर रेलवे प्रबंधन कब जवाब देगा और यात्रियों को कब राहत मिलेगी, यह



व्यापारी-छात्र-मरीज सबसे ज्यादा परेशान

सवाल अब क्षेत्र के हजारों यात्रियों के बीच उठ रहा है।

अधिकांश यात्री यात्रा टालकर लौट रहे घर

ट्रेन की लगातार लेटलतीफी का असर अब यात्रियों के भरोसे पर भी पड़ने लगा है। यात्रियों का कहना है कि समय पर ट्रेन पहुंचने की कोई निश्चिन्ता नहीं रहने के कारण कई यात्री अपनी यात्रा ही टाल रहे हैं और स्टेशन से वापस घर लौटने को मजबूर हो रहे हैं। व्यापारियों के लिए समय पर बाजार पहुंचना, छात्रों के लिए परीक्षा अथवा कक्षाओं में पहुंचना और मरीजों के लिए अस्पताल तक

समय पर पहुंचना जरूरी है। लेकिन ट्रेन की अनिश्चित समय-सारणी ने इन सभी यात्रियों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं।



व्यापारी-छात्र-मरीज सबसे ज्यादा परेशान

सवाल अब क्षेत्र के हजारों यात्रियों के बीच उठ रहा है।

अधिकांश यात्री यात्रा टालकर लौट रहे घर

ट्रेन की लगातार लेटलतीफी का असर अब यात्रियों के भरोसे पर भी पड़ने लगा है। यात्रियों का कहना है कि समय पर ट्रेन पहुंचने की कोई निश्चिन्ता नहीं रहने के कारण कई यात्री अपनी यात्रा ही टाल रहे हैं और स्टेशन से वापस घर लौटने को मजबूर हो रहे हैं। व्यापारियों के लिए समय पर बाजार पहुंचना, छात्रों के लिए परीक्षा अथवा कक्षाओं में पहुंचना और मरीजों के लिए अस्पताल तक

का परिचालन प्रभावित हो रहा है। हालांकि, इस संबंध में रेलवे की ओर से कोई आधिकारिक स्पष्टीकरण सामने नहीं आया है। यात्रियों की मांग



व्यापारी-छात्र-मरीज सबसे ज्यादा परेशान

सवाल अब क्षेत्र के हजारों यात्रियों के बीच उठ रहा है।

अधिकांश यात्री यात्रा टालकर लौट रहे घर

ट्रेन की लगातार लेटलतीफी का असर अब यात्रियों के भरोसे पर भी पड़ने लगा है। यात्रियों का कहना है कि समय पर ट्रेन पहुंचने की कोई निश्चिन्ता नहीं रहने के कारण कई यात्री अपनी यात्रा ही टाल रहे हैं और स्टेशन से वापस घर लौटने को मजबूर हो रहे हैं। व्यापारियों के लिए समय पर बाजार पहुंचना, छात्रों के लिए परीक्षा अथवा कक्षाओं में पहुंचना और मरीजों के लिए अस्पताल तक

डीएवी कनकनगर ने आयोजित की 2 किमी मैराथन दौड़



प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। डीएवी सीएमसी नई दिल्ली एवं डीएवी खेलकूद के मार्गदर्शन में डीएवी एमएमपीएस कनकनगर द्वारा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जयंती के अवसर पर मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। मैराथन सामुदायिक भवन प्रतापपुर से प्रारंभ होकर खैरमा चौक तक पहुंची। इसमें कक्षा छठवीं से बारहवीं तक के करीब 80 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में लक्ष्मी गुप्ता, अक्षय तिवारी, अवधेश पाण्डेय, पंकज गुप्ता एवं पूर्व शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक प्रेमसिंधु मिश्रा उपस्थित रहे। विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ दौड़ में भाग लेकर स्वस्थ जीवनशैली एवं अनुशासन का संदेश दिया।

खैरमा चौक में मैराथन के समापन अवसर पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के जीवन, विचारों एवं आदर्शों पर चर्चा की गई। मुख्य अतिथि अक्षय तिवारी एवं

डूमरखोरका में नुक्कड़ नाटक: बीमा-पेंशन से लेकर साइबर सुरक्षा तक, ग्रामीणों को मिली अहम जानकारी



बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। सतर्कता जागरूकता अभियान के तहत आज ग्राम डूमरखोरका में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ग्रामीणों को वित्तीय एवं सामाजिक विषयों पर जागरूक किया गया। जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक श्री मुकुन्द कुमार कर्ण के नेतृत्व में ग्रामीण स्वरोजगार

अवधेश पाण्डेय ने विद्यार्थियों को एक आदर्श नागरिक बनने के लिए आवश्यक गुणों एवं जिम्मेदारियों के बारे में विस्तार से समझाया। उन्होंने बच्चों को ईमानदारी, अनुशासन, जिम्मेदारी और समाज के प्रति सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान प्रतापपुर पुलिस द्वारा विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा के प्रति भी जागरूक किया गया। पुलिस ने साइबर अपराधों से बचाव, ऑनलाइन ठगी से सतर्क रहने तथा इंटरनेट एवं सामाजिक माध्यमों का सुरक्षित उपयोग करने के संबंध में आवश्यक जानकारी दी।

कार्यक्रम में डीएवी एमएमपीएस कनकनगर के प्राचार्य मनोष कुमार दुबे सहित प्रकाश तिकी, आशीष मंडल, अनिता कुशवाहा, प्रियंका यादव, अर्चना सोनी, सुनेना कुरे, प्रीति, प्रिया साहू, सुषमा मिश्रा, शशि तिवारी, नीतू पटेल, अन्नपूर्णा सांडिल्य, श्रद्धा सिंह, काशिफ रजा एवं उज्ज्वल कश्यप उपस्थित रहे।

डूमरखोरका में नुक्कड़ नाटक: बीमा-पेंशन से लेकर साइबर सुरक्षा तक, ग्रामीणों को मिली अहम जानकारी



बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। सतर्कता जागरूकता अभियान के तहत आज ग्राम डूमरखोरका में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ग्रामीणों को वित्तीय एवं सामाजिक विषयों पर जागरूक किया गया। जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक श्री मुकुन्द कुमार कर्ण के नेतृत्व में ग्रामीण स्वरोजगार

प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) एवं वित्तीय साक्षरता केंद्र (सीएफएल) की टीम ने सरल और रोचक प्रस्तुति के जरिए बैंकों से जुड़ी बीमा एवं पेंशन योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। नाटक के माध्यम से ग्रामीणों को साइबर अपराध से बचाव के उपाय बताते हुए किसी के साथ ओटीपी,

अपहृत बालिका को महाराष्ट्र के पाडूरंगा से दस्तयाब कर लाया गया वापस, आरोपी गिरफ्तार, ओड़गी पुलिस ने की कार्रवाई

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। नाबालिग के अपहरण मामले में ओड़गी पुलिस द्वारा तत्परेता दिखाते हुए नागपुर महाराष्ट्र के पाडूरंगा से अपहृत बालिका को दस्तयाब कर वापस लाया गया। मामले में आरोपी युवक को गिरफ्तार किया गया है। बताया गया है कि ओड़गी क्षेत्र अन्तर्गत एक व्यक्ति ने थाना में रिपोर्ट दर्ज कराया कि इसकी नाबालिक लड़की को कोई अज्ञात व्यक्ति बहला फुसलाकर भगाकर ले गया है। रिपोर्ट पर आरोपी के विरुद्ध धारा 137(2) के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। मामले की सूचना पर पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार पटेल द्वारा अपहृता की गंभीरतापूर्वक पतासाजी कर दस्तयाब कर आरोपी को पकड़ने पुलिस की 2 टीम गठित कर लगाया। मामले की



विवेचना के दौरान पुलिस की पहली टीम कटनी मध्यप्रदेश एवं दूसरी पुलिस टीम पश्चिम चंपारण बिहार के लिए रवाना हुई और वहां अलग-अलग स्थानों पर दबिश दी गई किन्तु आरोपी के द्वारा लगातार अपना ठिकाना बदलते रहा।

जिसके बाद बिहार पहुंची पुलिस टीम ने तकनीकी संसाधनों की मदद ली और

लगातार पीछा करते हुए हैदराबाद बैंगलोर होते हुए नागपुर महाराष्ट्र के पाडूरंगा से अपहरणकर्ता राजू कुमार उम्र 24 वर्ष पश्चिम चम्पारण बिहार के कब्जे से अपहृत नाबालिक बालिका को दस्तयाब कर वापस लाया गया। सीडब्ल्यूसी के समक्ष पेश करने के उपरान्त उसे परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया वहीं मामले के आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश देवांगन व एसडीओपी ओड़गी राजेन्द्र मण्डवी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी ओड़गी अलरिक्त लकड़ा, एसएसआई ज्ञानचंद सिंह, प्रधान आरक्षक उदय सिंह, आरक्षक हेमंत सिंह, अनिल एक्का, सतीश गुप्ता, निर्मल राजवाड़े व महिला आरक्षक सुकन्या सिंह सक्रिय रहे।

आज से अग्रसेन जयंती महोत्सव, सेवा, संस्कृति व उल्लास का होगा संगम

0 खेलकूद, बौद्धिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों में जुटेगा अग्रवाल समाज 0 होंगी 60 से अधिक प्रतियोगिताएं

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। महाराजा अग्रसेन जी की 5150 वीं जयंती को लेकर अग्रवाल समाज में खासा उत्साह है। रविवार से यहां अग्रोहा भवन में अग्रसेन सप्ताह का भव्य शुभारंभ उद्घाटन समारोह के साथ नगर के अग्रजो की उपस्थिति में दोपहर से प्रारम्भ होगा। सप्ताहभर चलने वाले इस महोत्सव में सेवा, संस्कृति, खेल, मनोरंजन, धार्मिक और सामाजिक एकता का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। सभा के अध्यक्ष अमृतलाल अग्रवाल, सचिव राजेश महलवाला, जयंती आयोजन समिति के अध्यक्ष सुनील अग्रवाल, महिला मंडल की अध्यक्ष ममता अग्रवाल व नवयुवक समिति के अध्यक्ष गौरीश जंदल ने बताया कि श्री अग्रवाल सभा की अगुवाई में अग्रोहा भवन को आयोजन का



सांस्कृतिक, धार्मिक, सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें अग्र कार्निवल, आनंद मेला, फैशन शो, केवीसी, प्रतिभा सम्मान, विरासत सम्मान समारोह, अग्र ओलंपिक, एपीएल

प्रमुख केंद्र है। महोत्सव के दौरान खेलकूद, बौद्धिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों सहित 60 से अधिक प्रतियोगिताएं और विभिन्न क्रिकेट, खजाने की खोज, एंव पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया जाएगा। विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित व पुरस्कृत किया जाएगा। साथ ही आयोजन में अग्रसेन जी की सजीव यात्रा खास आकर्षण का केंद्र रहेगा। अग्रसेन जयंती के मुख्य दिवस पर समाज की भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसमें अग्रवाल समाज के 18 गोत्रों की सहभागिता रहेगी। धुमाल बैंड, पारंपरिक शैला नृत्य के साथ अग्रसेन चौक में समस्त नगर वासियो के लिए शिव तांडव और आकर्षक झांकियों का आयोजन प्रमुख आकर्षण रहेगा। आयोजन के माध्यम से समाज की परंपरा, संस्कृति और सामाजिक एकजुटता को प्रदर्शित किया जाएगा। महोत्सव के समापन अवसर पर 10 अक्टूबर को अग्र प्रीतिभोज



लूटकर भाग गया। रिपोर्ट पर थाना ओड़गी में धारा 309(4) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। प्रकरण की विवेचना के दौरान थाना ओड़गी पुलिस को सूचना मिली कि पंजीबद्ध मामले के आरोपी के हुलिया का

व्यक्ति ओड़गी साप्ताहिक बाजार में कुछ लोगों को अपने साथ सहायता करने के नाम से बेवज रहा है जिस पर पुलिस फौरन मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर एक व्यक्ति को पकड़ा, पूछताछ पर उसने अपना नाम श्रीराम गुप्ता उर्फ लम्बू उर्फ सुजीत उर्फ करण पिता छोटेलाल निवासी दरौपारा थाना भैयाथान, वर्तमान निवासी ग्राम मनियारी थाना बैदुन, जिला सिंगरौली मध्यप्रदेश का होना बताया। सीसीटीवी फुटेज व शिनाख्ती कार्रवाई में इसी के द्वारा लूट की वारदात को अंजाम देना पाया गया। पूछताछ पर भी आरोपी ने लूट की घटना को अंजाम देना स्वीकार किया जिसे गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए आरोपी के विरुद्ध मध्यप्रदेश के कई थानों में अपराध दर्ज है साथ ही थाना बसंतपुर में आरोपी का श्वाई वारंटी है जिसकी सूचना संबंधित थानों को दी गई है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी ओड़गी अलरिक्त लकड़ा, प्रधान आरक्षक रामाधीन श्यामले, मनोज वर्मा, आरक्षक निर्मल राजवाड़े व जगदीश सक्रिय रहे।

बसंत मल्टीप्लेक्स में मनोरंजन महंगा, पार्किंग के नाम पर 50 रुपये का फटका

टिकट पर कन्वीनियंस फीस, अंदर दोगुना दाम का पॉपकॉर्न अलग

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर के बसंत मल्टीप्लेक्स में फिल्म देखना अब जेब पर भारी पड़ने लगा है। टिकट के पैसे के बाद पार्किंग के नाम पर 50 रुपये की अलग वसूली और कैंटीन में दोगुनी कीमतों ने दर्शकों में नाराजगी बढ़ा दी है। सवाल उठ रहा है-जब दर्शक पैसा देकर फिल्म देखने आ रहा है, तो पार्किंग के लिए अलग से लूट क्यों?

फिल्म देखने का प्लान करने वाला दर्शक पहले टिकट का बजट देखता है। ऑनलाइन बुकिंग कर तो ऊपर से कन्वीनियंस फीस। गेट पर पहुंचो तो बाइक-कार खड़ी करने के लिए 50 रुपये और दो। मामला सिर्फ 50 रुपये का नहीं है, मामला पारदर्शिता और जवाबदेही का है। दर्शक पृष्ठ रहे हैं-पार्किंग

युवक की उंगली दांत से काटकर निगल लिया छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। जिले के ग्राम करमडौहा (ब) में बीच-बचाव करना एक युवक को भारी पड़ गया, और उसे अपनी उंगली गंवानी पड़ गई।

जानकारी के मुताबिक, संदीप कुमार पिता दिनेश कुशवाहा ने थाना बसंतपुर में रिपोर्ट दर्ज कराया है कि 29 सितंबर को सुबह 9 बजे वह दुकान जा रहा था। रास्ते में संजय और उसका बेटा अरुण कुशवाहा आपस में विवाद कर रहे थे। संजय के बचाने की आवाज सुनकर वह बीच-बचाव करने गया। इसी दौरान अरुण कुमार कुशवाहा ने उस पर जानलेवा हमला कर दाहिने हाथ की सबसे छोटी उंगली को दांत से काटकर अलग कर दिया और निगल गया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

हत्या के मामले में निरुद्ध विचाराधीन बंदी की इलाज के दौरान मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। पत्नी से मारपीट के दौरान बीच-बचाव करने आई भाभी पर टांगी से हमला करके हत्या करने के मामले में केंद्रीय जेल में निरुद्ध विचाराधीन बंदी की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराया है। जानकारी के मुताबिक, ग्राम बिसुपुर खुर्द गोरसीडबरा निवासी गोपी यादव पिता नानू यादव 62 वर्ष बोते 30.10.2025 को सुबह करीब 8.30 बजे अपनी पत्नी के साथ लड़ाई झगड़ा कर रहा था। इस दौरान रिश्ते में भाई की पत्नी सोनमतिया बीच-बचाव करने गई। कुछ देर बाद भतीजी देवन्ती व अन्य बच्चों के चिल्लाने की आवाज सुनकर मौके पर स्वजन मौके पर गए तो गोपी यादव टांगी लेकर भाग रहा था, सोनमतिया घर के दरवाजा के पास गिरी पड़ी थी, उसके सिर में काफी चोट आई थी और खून निकल रहा था। पीड़िता बातचीत नहीं कर पा रही थी। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई थी। मामले में गांधीनगर थाना पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करके जेल दाखिल कर दिया। इसके बाद से हत्या के मामले में विचाराधीन बंदी केंद्रीय जेल अंबिकापुर में निरुद्ध रहा। बोते 19 सितम्बर को तबियत बिगड़ने पर जेल प्रबंधन ने उसे मेडिकल कॉलेज सड़खंड अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां उसका इलाज चल रहा था, इस दौरान उसकी मौत हो गई। मामले में पुलिस ने मार्ग कायम कर लिया है।

पीएम आवास लाभार्थी के घर पहुंचे भाजपा प्रदेश महामंत्री, बच्चों के साथ बांटी खुशियां

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सेवा संकल्प अभियान के तहत भाजपा प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी ने शनिवार को अंबिकापुर में जनसंपर्क कर सेवा का संदेश दिया। वे पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ गंगापुर वाई स्थित प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थी शिव दत्त मुंडा के निवास पहुंचे। उन्होंने लाभार्थी परिवार से आत्मीय मुलाकात की और उनके साथ बैठकर भोजन किया। परिवार के सदस्यों ने प्रधानमंत्री आवास मिलने के बाद जीवन में आए बदलाव पर प्रकाश डाला और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया। इसके बाद अखिलेश सोनी सन्मार्ग शिक्षा समिति द्वारा संचालित सन्मार्ग बालगृह राघवपुरी, अजिरमा पहुंचे।



अंदर पॉपकॉर्न भी बाजार से दोगुना पार्किंग ही नहीं, मल्टीप्लेक्स के अंदर बिकने वाले खाने-पीने के सामान की कीमतों पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। शिकायत के मुताबिक बाजार में 20 रुपये में मिलने वाली चीज मल्टीप्लेक्स में 40 से 50 रुपये में बेची जा रही है। हालांकि इसकी पुष्टि के लिए मूल्य सूची का मिलान जरूरी है, लेकिन दर्शकों का आरोप है कि मनोरंजन के नाम पर हर कदम पर जेब काटी जा रही है।

चार्ज किस नियम से तय हुआ? जानकारी क्यों नहीं दी जाती? टिकट बुक करते समय इसकी अगर पार्किंग में गाड़ी चोरी हुई या

अंबुजा मॉल को झटका के बाद ही सबक नहीं यह विवाद ऐसे समय में उठा है जब 24 सितंबर को ही छत्तीसगढ़ राज्य उपभोक्ता आयोग ने रायपुर के अंबुजा सिटी सेंटर मॉल में पार्किंग वसूली को अनुचित व्यापार व्यवहार और सेवा में कमी माना था। आयोग ने मॉल की अपील खारिज करते हुए ग्राहक को 50 हजार मानसिक क्षतिपूर्ति और 5 हजार वाद व्यय देने का आदेश बरकरार रखा था। हालांकि यह आदेश सीधे बसंत मल्टीप्लेक्स पर लागू नहीं होता, लेकिन यह साफ संकेत है कि व्यवसायिक परिसर में ग्राहक से जबरन वसूलना उपभोक्ता अधिकारों का उल्लंघन हो सकता है।

50 रुपये पार्किंग वसूली का आधार क्या? मल्टीप्लेक्स का काम सिर्फ फिल्म दिखाना नहीं, दर्शक को सुविधाजनक अनुभव देना भी है। अगर पार्किंग और कैंटीन के चार्ज नियम के तहत है तो प्रबंधन को बोर्ड पर रेट लिस्ट और नियम का आधार सार्वजनिक करना चाहिए। अगर नियम के खिलाफ वसूली हो रही है तो प्रशासन और उपभोक्ता विभाग को शिकायत के आधार पर जांच करनी चाहिए। फिलहाल दर्शकों का एक ही सवाल है बसंत मल्टीप्लेक्स में 50 रुपये पार्किंग वसूली का आधार क्या है? क्या प्रबंधन पारदर्शिता दिखाएगा या सफाई देकर बात टाल दी जाएगी? नुकसान हुआ तो प्रबंधन जिम्मेदारी लेगा क्या?

मैनपाट से जीवन बचाने का संदेश, प्रशिक्षणार्थियों ने किया स्वैच्छिक रक्तदान

सेवा संकल्प अभियान के तहत रेड क्रॉस सोसायटी ने लगाया शिविर, 110 ने कराया पंजीयन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। किसी जरूरतमंद के लिए समय पर महत्वपूर्ण रक्त जीवन बचाने में मददपूर्ण भूमिका निभाता है। इसी मानवीय भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी जिला शाखा सरगुजा द्वारा पुलिस प्रशिक्षण केंद्र (पीटीएस) मैनपाट में स्वैच्छिक रक्तदान एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। 02 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ शासन द्वारा संचालित एक माह के सेवा संकल्प अभियान दौरान आयोजित इस शिविर में प्रशिक्षणार्थियों सहित 110 लोगों ने स्वैच्छिक रक्तदान के लिए पंजीयन कराया। रक्तदान को लेकर विशेष उत्साह देखा गया। आयोजकों ने बताया रक्तदान के प्रति युवाओं की यह सहभागिता यह संदेश देती है कि समाज के प्रत्येक वर्ग की पहल किसी



जरूरतमंद के लिए जीवनदायिनी बन सकती है। स्वैच्छिक रक्तदान केवल रक्त देने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी निभाने का माध्यम भी है। कार्यक्रम को पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रंज दीपक कुमार झा का मार्गदर्शन एवं सहयोग प्राप्त हुआ। वहीं कलेक्टर एवं अध्यक्ष रेड क्रॉस सोसायटी जिला शाखा सरगुजा अजित वसंत के मार्गदर्शन में शिविर का समन्वय किया गया। प्रशिक्षणार्थियों को रक्तदान के

इसी सेवा कार्य का हिस्सा था, जिसके माध्यम से 'रक्तदान महानदान-अंगदान जीवनदान' का संदेश दिया गया। रक्त संग्रहण कार्य राजमाता श्रीमती देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय अंबिकापुर से संबद्ध ब्लड सेंटर की टीम द्वारा किया गया। टीम में डॉ. रवि कमल पीजी चिकित्सक, संध्या सिंह लैब टेक्नोलॉजिस्ट, राजकुमार मरावी, अंबुला मिश्रा काउंसलर, रीता थॉमस स्टाय नर्स, मो. अजहर अंसारी और ओमप्रकाश साहू शामिल रहे। वहीं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मैनपाट की टीम द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण सेवाएं दी गईं। दल में अमित तिवारी दल प्रभारी, सोनम लकड़ा, जेसिंटा खलखो, के.पी. नेताम, भानु प्रताप सिंह, संकेत यादव एवं मुनेश्वर शामिल रहे।

अंबिकापुर में 'यंग थिंकर मीट 2026' में जुटे 65 युवा छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मुहिम फाउंडेशन और यूथ एक्शन क्लब के संयुक्त सहयोग से शुरू करने का 'यंग थिंकर मीट 2026' का आयोजन किया गया। इसमें सरगुजा जिले के 8 शासकीय एवं निजी महाविद्यालयों के 65 युवा शामिल हुए। इस मीट का उद्देश्य युवाओं को ऐसा मंच देना था, जहां वे खुलकर अपनी बात रख सकें, दूसरों के भिन्न विचारों को सुन सकें और सार्थक संवाद कर सकें। दिनभर चले सत्रों में प्रतिभागियों ने गांधी और वर्तमान समय से जुड़े कई विषयों पर चर्चा की। कार्यक्रम का समापन एक बहस के साथ हुआ, जिसका विषय था, '21वीं सदी में गांधी: क्या उनके सिद्धांत और तरीके आज भी युवाओं और सामाजिक परिवर्तन के लिए मायने रखते हैं?' यूथ एक्शन क्लब अंबिकापुर, समान सोच रखने वाले युवाओं का एक सामूहिक प्रयास है। कार्यक्रम में पीजी कॉलेज से डॉ. दीपक सिंह, डॉ. कामिनी, पुनम तथा मुहिम फाउंडेशन और अजीम प्रेमजी फाउंडेशन की टीम के सदस्य उपस्थित रहे।



फुलेश्वरी सिंह, मधुसूदन शुक्ला, दिनेश साहू, मधु चौदह, विकास पांडेय, रजनीश पांडेय, अनिल अग्रवाल, जन्मजय मिश्रा, वैभव सिंहदेव, नीलेश सिंह, अजय प्रताप सिंह, रुपेश दुबे, शुभांगी बिहाड़े, अभिषेक शर्मा, कमलेश तिवारी, मनोज कंसारी, आकाश गुप्ता, विजय व्यापारी, संतोष जायसवाल सहित पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एसडीएम चांदनी कंवर को दी गई भावभीनी विदाई

छ.ग.फ्रंटलाइन भटगांव। भैयाथान की अनुविभागीय अधिकारी राजस्व चांदनी कंवर के स्थानांतरण उपरांत शनिवार को भटगांव तहसील कैपस में उनका विदाई समारोह आयोजित किया गया। समारोह में तहसील कार्यालय के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इस दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने चांदनी कंवर को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया और उनके आगामी कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। इनके कार्यकाल को याद करते हुए उनके प्रशासनिक कार्यों एवं आमजन से जुड़े मामलों के निराकरण के प्रयासों की सराहना की। वक्तों वक्तों प्रशासनिक पद पर रहते हुए आम लोगों की समस्याओं को सुनना और उनका नियमानुसार निराकरण करना महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होती है। चांदनी कंवर ने अपने कार्यकाल के दौरान अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए प्रशासनिक व्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में कार्य किया। अधिकारी-कर्मचारियों ने उनके साथ कार्य करने के अनुभव साझा किए। इस अवसर पर भटगांव तहसीलदार शिव नारायण राठिया सहित तहसील कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।



हाथी प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचे सांसद ने जमीन पर बैठकर सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

शावक की मौत और फसलों को हो रहे नुकसान के बाद महेशपुर, फूंगी व रामनगर का दौरा

छ.ग.फ्रंटलाइन उदयपुर।

उदयपुर विकासखंड के हाथी प्रभावित क्षेत्रों में हाथियों के लगातार विचरण से ग्रामीण परेशान हैं। फसलों को हो रहे नुकसान और हाल ही में हाथी के शावक की मौत की घटना के बाद सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज शुक्रवार को प्रभावित क्षेत्रों के दौर पर पहुंचे। उन्होंने महेशपुर, फूंगी और रामनगर गांव में जाकर ग्रामीणों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं को जमीन पर बैठकर सुना।

सांसद ने सबसे पहले खेतों में पहुंचकर हाथियों द्वारा फसलों को पहुंचाए गए नुकसान का जायजा लिया। किसानों ने बताया कि रात में हाथियों का दल खेतों में घुसकर धान और अन्य फसलों को रेंद रहा है, जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान हो रहा है। ग्रामीणों ने हाथियों से फसल बचाने के लिए स्थानीय समाधान, सोलर फेंसिंग, रात्रि में निगरानी दल और प्रभावित किसानों को समय पर मुआवजा दिलाने की मांग रखी। सांसद ने ग्रामीणों की मांगों पर आंगनबाड़ी भवन, पुलिस निर्माण, हाईमास्ट लाइट सहित अन्य विकास कार्यों को प्राथमिकता से पूरा कराने का आश्वासन दिया। उन्होंने हाथी



चौपाल में की अधिकारियों से चर्चा

रामनगर के पण्डो पारा में सांसद ने जमीन पर बैठकर ग्रामीणों के साथ चौपाल लगाई। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं रखीं। सांसद ने सभी की बातों को गंभीरता से सुना और उनके निराकरण के लिए मौके पर मौजूद अधिकारियों से चर्चा की। ग्रामीणों ने क्षेत्र में आंगनबाड़ी भवन की जर्जर स्थिति, आवागमन के लिए पुलिया की आवश्यकता, पण्डो पारा में हाईमास्ट लाइट और पेयजल की समस्या रखी।

हरसंभव सहयोग का दिलाया भरोसा

सांसद ने प्रभावित किसानों की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली और उन्हें हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि वे जिला प्रशासन और वन विभाग के उच्च अधिकारियों से बात कर स्थायी समाधान निकालने का प्रयास करेंगे। इस दौरान एसडीएम, तहसीलदार तारा सिदार, एसडीओ फरिस्ट सपना मुखर्जी, रंजर फेंकू, प्रसाद चौबे, रामनगर सरपंच प्रदीप मरकमा सहित वन विभाग एवं राजस्व विभाग के अधिकारी तथा बड़ी संख्या में महेशपुर, फूंगी और रामनगर के ग्रामीण मौजूद रहे।

प्रभावित ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए वन विभाग और प्रशासन के अधिकारियों को आवश्यकता का कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने

कहा कि हाथी-मानव द्वंद को रोकने के लिए विभाग को ठोस योजना बनानी होगी ताकि ग्रामीणों और फसलों दोनों की सुरक्षा हो सके।

बातचीत, प्यार, इलाज और भरोसा के बीच निकला एक शब्द 'ओडिशा' बना उम्मीद की डोर

मामला नारी निकेतन तक पहुंची बिछड़ी बेटी से जुड़ा, पिता से मिलवाने पर छलकी आंखें

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। साल भर इंतजार, हर दिन दरवाजे की ओर टकटकी और फिर एक दिन अचानक सामने बेटी खड़ी हो गई। अंबिकापुर के नारी निकेतन ने एक मजदूर पिता की सूनी आंखों में उम्मीद की रोशनी लौटा दी है। जानकारी के मुताबिक, ओडिशा के करंजिया थाना क्षेत्र की 35 वर्षीय एक महिला मानसिक रूप से अस्वस्थ होने के कारण करीब एक साल पहले घर से भटक गई थी। पिता मजदूर है, संसाधन सीमित थे, पर बेटी की तलाश बंद नहीं हुई। हर चौखट पर पूछा, हर राह में ढूंढा, लेकिन बेटी का कोई पता नहीं चला। इधर किस्मत उस बेटी को छत्तीसगढ़ ले आई। करीब 6 महीने पहले गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के सखी वन स्टॉप सेंटर के माध्यम से वह अंबिकापुर के नारी निकेतन पहुंची। वह गुमसुम रहती थी, अपने बारे में कुछ बता नहीं पा रही थी। प्रबंधन ने निभाई जिम्मेदारी-नाम, पता, गांव सब धुंधला था, पर नारी निकेतन की अधीक्षिका डॉ. खुशरू तिवारी और उनकी टीम ने उसे सिर्फ एक केस नहीं, अपनी जिम्मेदारी माना। रोज बातचीत, प्यार,



इलाज और भरोसा... धीरे-धीरे महिला के मुंह से एक शब्द निकला-ओडिशा। बस यही एक शब्द उम्मीद की डोर बन गया। टीम ने तुरंत ओडिशा पुलिस से संपर्क साधा, तस्वीरें साझा कीं, जानकारी जुटाई और आखिरकार उस मजदूर पिता तक यह खबर पहुंची कि उसकी बेटी सुरक्षित है। जब पिता अंबिकापुर पहुंचा और बेटी को सामने देखा तो वह फफक पड़ा। साल भर से दबा दर्द, खुशी के आंसुओं में बह निकला। बेटी भी पिता को देख ठहर सी गई। उस मिलन ने वहां मौजूद हर आंख को नम कर दिया। यह सिर्फ एक पुनर्मिलन नहीं, मानवता की जीत है।

'शिक्षक समाज की अमूल्य धरोहर, इनका सम्मान पूरे समाज का सम्मान है'

संभाग स्तरीय सेवानिवृत्त शिक्षक सम्मान समारोह में 130 शिक्षकों का हुआ सम्मान

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जिला साहू संघ सरगुजा के संयोजन में संभाग स्तरीय शिक्षक सम्मेलन एवं सेवानिवृत्त शिक्षक सम्मान समारोह भामाशाह छात्रावास, साहू धर्मशाला में हुआ। समारोह में सरगुजा संभाग के 6 जिलों के 130 सेवानिवृत्त शिक्षकों को शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के.आर. साहू तथा विशिष्ट अतिथि रघुनाथ प्रसाद साहू एवं सुखदेव साहू रहे। अध्यक्षता जिला साहू संघ सरगुजा के अध्यक्ष सुरेश प्रसाद गुप्ता ने की। शुभांग भक्त माता कर्मा के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन, पूजा-अर्चना एवं आरती के साथ हुआ। सभी ने माता कर्मा के आदर्शों, समाज की एकता, शिक्षा और सेवा के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त की। अध्यक्षता कर रहे सुरेश प्रसाद गुप्ता ने कहा कि 2 अक्टूबर को हम राष्ट्रीय महात्मा गांधी की जयंती मनाते हैं, जिन्होंने सत्य, अहिंसा, सादगी और सेवा का संदेश दिया।



गांधी जी मानते थे कि शिक्षा केवल रोजगार का माध्यम नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और संस्कारों का आधार है। इसमें शिक्षक की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। शिक्षक समाज और राष्ट्र के निर्माता हैं। जिन सेवानिवृत्त शिक्षकों का आज सम्मान हुआ है, उन्होंने अपना जीवन समाज निर्माण में समर्पित किया है। शिक्षक कभी सेवानिवृत्त नहीं होते, उसके संस्कार पीढ़ियों तक दिशा देते हैं। गांधी जी को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम शिक्षा, सद्भाव और सेवा को मजबूत करें। समारोह में जशपुर जिला अध्यक्ष सुरेंद्र प्रसाद गुप्ता, बलरामपुर अध्यक्ष बंशीधर गुप्ता, सूजपुर अध्यक्ष रामलालू साहू, कोरिया अध्यक्ष जगदीश साहू, एमसीबी अध्यक्ष मनमोहन साहूकी विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन मीरा साहू ने किया। इस दौरान संघ के प्रदेश कार्यकारी सदस्य लक्ष्मी गुप्ता, पूर्व जिला अध्यक्ष बनारसी लाल गुप्ता, रामविलास साहू, रामसेवक गुप्ता, के.के. गुप्ता, ब्लॉक अध्यक्ष संजय गुप्ता, देव कुमार गुप्ता, ईश्वरनाथ साहू, बी.ए. गुप्ता, कन्हैया गुप्ता, जगदीश गुप्ता, भरत गुप्ता, राजेश साहू, शिव कुमार गुप्ता, राजेन्द्र गुप्ता, महेंद्र गुप्ता, विमलेश गुप्ता, देवेन्द्र गुप्ता, रूपा गुप्ता, कल्पना साहू, मंजू गुप्ता, सुधा गुप्ता, शकुन गुप्ता, गणेश साहू, रामकुमार गुप्ता, राजेंद्र साहू, अनुराग गुप्ता, अरविंद कौंजीया, अमरेंद्र गुप्ता, लल्लू गुप्ता, सुरेश गुप्ता, भोला गुप्ता, परमेश्वर गुप्ता, संदीप गुप्ता, अरविंद गुप्ता, संतोष गुप्ता, जयप्रकाश गुप्ता, हरिनारायण गुप्ता, दशरथ गुप्ता सहित बड़ी संख्या में वरिष्ठजन एवं मातृशक्ति मौजूद रहीं।

भाजयुमो कुन्नी मंडल ने किया सेवा संकल्प बाइक यात्रा का स्वागत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस और सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने पर भाजयुमो द्वारा आयोजित सेवा संकल्प बाइक यात्रा का सरगुजा जिले में स्वागत किया गया। जन्मभूमि से कर्मभूमि तक की भावना से यह यात्रा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जन्मभूमि वडनगर (गुजरात) से कर्मभूमि काशी तक जा रही है। 2 अक्टूबर को यात्रा के कुन्नी मंडल के नावापरा चैक पहुंचने पर मंडल अध्यक्ष निखिल मरावी के नेतृत्व में तिलक लगाकर और पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने विकसित भारत के



संकल्प के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम में मंडल प्रभारी राधेश्याम सिंह ठाकुर, मंडल अध्यक्ष रवि महंत, महामंत्री विक्रम सिंह, पूर्व अध्यक्ष भैयालाल साहू, महामंत्री अनुप सिंह, विपिन सिंह, एसटी मोर्चा अध्यक्ष गोपाल सिंह सहित भाजपा और भाजयुमो के पदाधिकारी, शक्ति केंद्र प्रभारी, बूथ अध्यक्ष और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।